तापमान

अधिकतम 20 .0 डिग्री
न्यूनतम 8.0 डिग्री

हरिभूमि
सोनीपत भूमि

रोहतक, सोमवार, 22 दिसंबर 2025

9 घुघड़ी देवी के नाम से स्मारक बनाने की मांग

10 गांवों में फिर से लगेंगे ठीकरी पहरे : पुलिस

खबर संक्षेप

बुजुर्ग से लिफ्ट लेकर बाइक व नकदी लूटी

गोहाना। रोहतक रोड टी-प्वाइंट के पास बुजुर्ग से लिफ्ट लेकर बदमाश बाइक व नकदी लूट ले गए। चोपड़ा कॉलोनी निवासी शिवकुमार से शहर थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। शिवकुमार ने प्राथमिकी में बताया कि वह शनिवार रात को गांव बड़ौता से गोहाना अपने घर लौट रहे थे। रास्ता भटक जाने के कारण वह गलती से रोहतक की ओर चले गए। जब वह बड़ौता फ्लाईओवर के नीचे पहुंचे तो एक युवक ने उनसे लिफ्ट मांगी। उन्होंने युवक को अपनी बाइक पर बैठा लिया। जब वह रोहतक रोड टी-प्वाइंट से करीब 100 मीटर पहले पहुंचे तो युवक ने बाइक रोकने का इशारा किया। वहां पहले से मौजूद तीन अन्य युवक अचानक उनके पास आ गए। चारों ने मिलकर शिवकुमार से बाइक की चाबी छीन ली और उनकी जेब से करीब चार हजार रुपये नकद निकाल लिए। इसके बाद युवक उनकी बाइक लेकर पानीपत रोड की ओर भाग गए।

निर्माणाधीन मकान से चोरी मामले में पांच पकड़े

सोनीपत। थाना सदर सोनीपत की पुलिस टीम ने निर्माणाधीन मकान से सबमर्सिबल की मोटर और लोहे के सरिया चोरी करने की घटना में संलिप्त पांच आरोपितों को प्रोडक्शन वारंट पर लेकर गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान शोएब, शाकिब, शावेज, आरिफ और कामरान, सभी निवासी बागपत उत्तर प्रदेश के रूप में हुई है।पुलिस के अनुसार 21 नवंबर को मनोज पुत्र इन्द्र निवासी बरोदा जिला सोनीपत ने थाना सदर सोनीपत में शिकायत दी थी कि वह बड़वासनी स्थित जियो पंप के पास अपना मकान बनवा रहा है। सात नवंबर 2025 को उसके निर्माणाधीन मकान से सबमर्सिबल की मोटर और लोहे के सरिया चोरी हो गए थे।

ट्रैक्टर चोरी मामले में दूसरा आरोपी भी पकड़ा

सोनीपत। थाना सदर सोनीपत की पुलिस ने गली में खड़े ट्रैक्टर की चोरी की घटना में संलिप्त दूसरे आरोपित को गिरफ्तार कर चोरीशुदा ट्रैक्टर बरामद किया है। गिरफ्तार आरोपित की पहचान दीपांशु निवासी बागपत उत्तर प्रदेश हाल दहिया कॉलोनी, सोनीपत के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार 19 दिसंबर 2025 को विकास निवासी गांव खेवड़ा जिला सोनीपत ने शिकायत दी थी कि 18 दिसंबर को वह अपना ट्रैक्टर लेकर अनाज मंडी जा रहा था। रास्ते में दो युवक मोटरसाइकिल पर उसका पीछा कर रहे थे। ट्रैक्टर को गली में खड़ा कर थोड़ी देर के लिए जाने पर वापस आने पर ट्रैक्टर गायब मिला। पूछताछ में पता चला कि दोनों युवक ट्रैक्टर चोरी कर ले गए।

कोहरे के साथ आसमान में छाए बादलों ने बढ़ाई ठंड, हाईवे व सड़कों पर मंद गति से चले वाहन

शनिवार देर रात से ही छाने लगा था कोहरा, सुबह तक दृश्यता बेहद कम हो गई

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

जिले में शनिवार देर रात से ही घना कोहरा छाया रहा, जिससे सड़कों पर यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ। देर रात तक हाईवे और शहर की प्रमुख सड़कों पर दृश्यता बेहद कम रही, जिसके कारण वाहनों की रफ्तार थमी नजर आई। कई स्थानों पर वाहन रेंगते हुए चलते दिखाई दिए। खासकर दिल्ली-पानीपत नेशनल हाईवे और शहर के मुख्य मार्गों पर चालकों को काफी सतर्कता बरतनी पड़ी। हालांकि तड़के के समय कोहरा धीरे-धीरे छंटने लगा, जिससे लोगों को राहत मिली और सुबह होते-होते यातायात सामान्य गति से चलने लगा। रविवार सुबह आसमान में बादल छाए रहे, जिससे ठंड का असर बना रहा। बादलों के कारण सूरज पूरी तरह नहीं निकल सका और दोपहर के समय भी धूप में गर्माहट महसूस नहीं हुई। वातावरण में नमी बनी रहने से दिनभर ठिठुरन का अहसास लोगों को सताता रहा। सुबह और शाम के समय ठंड अधिक महसूस की गई, जबकि हवा की गति धीमी रहने से ठंड का प्रभाव कुछ हद तक संतुलित रहा। मौसम विभाग के अनुसार उत्तरी पर्वतीय क्षेत्रों में सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ का असर अब मैदानी इलाकों में भी दिखाई दे रहा है। इसी वजह से जिले में बादल छाए हुए हैं और मौसम में बदलाव देखने को मिल रहा है। विभाग का अनुमान है कि आने वाले दिनों में तापमान में गिरावट दर्ज की जा सकती है। विशेष रूप से अधिकतम तापमान में कमी आने पर कोल्ड डे जैसी स्थिति बनने की संभावना जताई जा रही है।

उत्तरी पर्वतीय क्षेत्रों में सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ का असर

सोनीपत। कोहरे के बीच रेंगते हुए वाहन।

न्यूनतम तापमान दो डिग्री बढ़ा

शनिवार को जिले का न्यूनतम तापमान 6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था, जबकि रविवार को इसमें दो डिग्री की बढ़ोतरी के साथ यह 8 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। वहीं दिन का अधिकतम तापमान बढ़कर करीब 20 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि फिलहाल तापमान में हल्का उतार-चढ़ाव बना रहेगा, लेकिन 24 दिसंबर के बाद मौसम फिर से शुष्क हो सकता है। इसके बाद तापमान में गिरावट आने की संभावना है, जिससे कोल्ड डे की स्थिति बन सकती है। अनुमान है कि न्यूनतम तापमान 4 डिग्री सैल्सियस से नीचे और अधिकतम तापमान 18 डिग्री सेल्सियस से नीचे जा सकता है।

आज बूंदाबांदी की संभावना

मौसम विभाग ने यह भी संकेत दिए हैं कि पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से जिले में हल्की बूंदाबांदी की संभावना बनी हुई है। यदि बूंदाबांदी होती है तो तापमान में और गिरावट आ सकती है, जिससे ठंड का असर बढ़ जाएगा। ऐसे में सुबह और रात के समय लोगों को विशेष सावधानी बरतने की जरूरत होगी। बुजुर्गों और बच्चों को ठंड से बचाव के उपाय अपनाने की सलाह दी जा रही है।

25 तक परिवर्तनशील रहेगा मौसम

कमजोर पश्चिमी विक्षोभ के कारण 25 दिसंबर तक मौसम परिवर्तनशील बना रह सकता है। इस दौरान बादल छाए रहने और हल्की बूंदाबांदी की संभावना है। तापमान में और गिरावट आने पर कोल्ड डे जैसी स्थिति बन सकती है।
-डॉ. प्रेमदीप, मौसम वैज्ञानिक केवीके सोनीपत

299 पर बना हुआ है एक्यूआई

मौसम के साथ-साथ प्रदूषण भी जिले के लिए चिंता का विषय बना हुआ है। ग्रैप-4 की पाबंदियों के बावजूद वायु गुणवत्ता में अपेक्षित सुधार नहीं हो सका है। रविवार को सोनीपत का एयर क्वालिटी इंडेक्स 299 दर्ज किया गया, जो बेहद खराब श्रेणी से महज एक अंक कम है। बादलों और वातावरण में नमी बढ़ने से प्रदूषण के कण हवा में ज्यादा देर तक ठहरे हुए हैं, जिससे एक्यूआई में इजाफा हुआ है। दूसरी ओर मौसमी बदलाव का असर कृषि पर सकारात्मक रहने की उम्मीद जताई जा रही है। विशेषज्ञों के अनुसार ठंड और संभावित नमी से रबी सीजन की फसलों को लाभ मिल सकता है।

साढ़े 11 घंटे तक लेट रही एक्सप्रेस ट्रेनें स्टेशन पर इंतजार करते रहे यात्री

सोनीपत। सोनीपत में रेल यात्रियों के लिए रविवार का दिन भारी परेशानियों भरा रहा। दिल्ली और अंबाला रूट पर चलने वाली दर्जनों ट्रेनें अपने निर्धारित समय से घंटों की देरी से चलीं जिससे स्टेशन पर यात्रियों की भारी भीड़ जमा रही और लोग कड़ाके की ठंड के बीच ट्रेनों का इंतजार करने को मजबूर दिखे। ट्रेनों की इस लेटलतीफी के पीछे मुख्य रूप से दो कारण सामने आए हैं। पहला कारण उत्तर भारत में छाया घना कोहरा है जिसके चलते दृश्यता कम होने से रेलगाड़ियों की रफ्तार पर ब्रेक लग गया है। दूसरा प्रमुख कारण रेलवे द्वारा किया जा रहा तकनीकी कार्य है। फिरोजपुर मंडल के अमृतसर और दिल्ली मंडल के गाजियाबाद यार्ड में इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग का काम चल रहा है। इस कार्य के कारण अप और डाउन दोनों लाइनों का यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ है।

सबसे ज्यादा लेट रही ऊंचाहार

रेलवे आंकड़ों के अनुसार ऊंचाहार एक्सप्रेस ने यात्रियों को सबसे ज्यादा परेशान किया। यह ट्रेन अपने निर्धारित समय से 11 घंटे 36 मिनट की देरी से सोनीपत पहुंची। इसी तरह मालवा एक्सप्रेस 6 घंटे और दादर एक्सप्रेस करीब 4 घंटे की देरी से स्टेशन पर आई। लंबी दूरी की ट्रेनों के इस तरह पिछड़ने का असर स्थानीय सवारी गाड़ियों पर भी देखने को मिला। वहीं देरी से चलने वाली ट्रेनों की सूची काफी लंबी रही। दिल्ली से अंबाला की ओर जाने वाली ट्रेनों में शान ए पंजाब 4 घंटे 29 मिनट, गीता जयंती 2 घंटे 52 मिनट, आम्रपाली एक्सप्रेस 2 घंटे 41 मिनट और अमृतसर इंटरसिटी 1 घंटे 44 मिनट की देरी से पहुंची। इसके अलावा कालका एक्सप्रेस, नेताजी एक्सप्रेस और जम्मूतवी एक्सप्रेस भी करीब 2 से 3 घंटे की देरी से चलीं। पैसेंजर ट्रेनों की बात करें तो गाड़ी संख्या 64451 करीब सवा तीन घंटे और 64471 एक घंटे से ज्यादा की देरी से सोनीपत स्टेशन पहुंची। वापसी मार्ग यानी अंबाला से दिल्ली की ओर जाने वाली ट्रेनों का हाल भी कुछ ऐसा ही था। कई अन्य ट्रेनें भी स्टेशन पर लेट पहुंचीं।

गर्भवती के बाद अब उसकी मां ने भी तोड़ा दम

सोनीपत। जीटी रोड पर शनिवार को सड़क हादसे में जान गंवाने वाली सात माह की गर्भवती महिला की मां ने भी दम तोड़ दिया है। फैक्टरी से लौटते समय प्याऊ मनियारी के पास हुए हादसे में मां गंभीर रूप से घायल हो गई थी, जिन का पी जी आ ई रोहतक में इलाज चल रहा था, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। हादसे में दो अन्य महिलाएं भी घायल हुई थी, जिन्हें खानपुर मेडिकल कॉलेज में एडमिट करवाया गया है। हादसे में घायल महिला के बयान पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर ली है। प्याऊ मनियारी निवासी वंदना ने कुंडली थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है कि वह कुंडली चप्पल फैक्टरी से कमरे पर लौट रही थीं। उनके साथ उत्तर प्रदेश के जिला उन्नाव हॉल प्याऊ मनियारी की पेपर मिल कॉलोनी विनिता (20) व उनकी मां मूलरूप से उन्नाव हॉल प्याऊ मनियारी निवासी मंजू और हरदोई के गांव फतेपुर गाजी हाल प्याऊ निवासी निवासी जोगिता भी थीं। वह शुक्रवार रात करीब आठ बजे प्याऊ मनियारी में सड़क पार करने को किनारे पर खड़ी थी। इसी दौरान दिल्ली की तरफ से आए तेज रफ्तार कार चालक ने उन चारों को टक्कर मार दी थी। हादसे में मंजू व विनिता बुरी तरह घायल हो गई थी। वंदना व जोगिता को भी गंभीर चोट लगी है। विनिता ने नागरिक अस्पताल सोनीपत में दम तोड़ दिया था। देर रात उनकी मां मंजू की भी पीजीआई रोहतक में मौत हो गई है।

- **पीजीआई में उपचार के दौरान गई जान**
- **प्याऊ मनियारी के पास मां-बेटी को कार ने टक्कर मार दी थी**

सोनीपत पुलिस का ड्रग तस्करों पर प्रहार

चरस की खेप के साथ तीन गिरफ्तार, दो जेल भेजे, पुलिस ने एक को रिमांड पर लिया

सोनीपत। क्राइम यूनिट कुण्डली की पुलिस टीम ने मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए चरस की वाणिज्य मात्रा सहित तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान विरेन्द्र, रवि और आकाश तीनों निवासी गांव पांची जट्टां जिला सोनीपत के रूप में हुई है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 20 दिसंबर 2025 को क्राईम यूनिट कुण्डली में नियुक्त सहायक उप निरीक्षक मनोज अपनी टीम के साथ दिल्ली-पानीपत जीटी रोड पर गश्त के दौरान चौकी ढाणी ढाबा सर्विस लेन के पास मौजूद थे। इसी दौरान खुफिया सूचना मिली कि रवि उर्फ बागा अपने दो साथियों के साथ कार में चरस लेकर हल्दाना पानीपत से गन्नौर की ओर जाने वाला है।

कार में लेकर आ रहे थे नशीला पदार्थ

सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने पानीपत-दिल्ली जीटी रोड सर्विस लेन पर डोल्फिन ढाबा के सामने नाकाबंदी की। करीब 12:35 बजे हल्दाना बॉर्डर की ओर से आ रही कार को रुकवाकर तलाशी ली गई। राजपत्रित अधिकारी की मौजूदगी में रवि की तलाशी के दौरान उसकी जैकेट से चरस बरामद हुई। पॉलीथिन सहित वजन करने पर चरस का कुल वजन 1 किलो 164 ग्राम पाया गया। इस संबंध में थाना गन्नौर में मादक द्रव्य पदार्थ निरोधक अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। अनुसंधान अधिकारी सहायक उप निरीक्षक सुनील ने बताया कि तीनों आरोपितों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया। न्यायालय के आदेशानुसार आरोपित आकाश और विरेन्द्र को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है, जबकि आरोपित रवि को पांच दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है।

10 वर्षीय बच्ची के भविष्य से खिलवाड़ के बाद डॉ. राजेश रंजन का खेल आया सामने

बिना सैंपल लिए मरीजों को थमा दी जाती थी फर्जी मेडिकल रिपोर्ट

सोनीपत। सोनीपत के कुंडली क्षेत्र से चिकित्सा जगत को शर्मसार करने वाला एक बड़ा मामला सामने आया है। यहां टीडीआई रोडियो मॉल स्थित लेबेक्स पैथोलॉजी लैब के संचालक डॉ. राजेश रंजन द्वारा चंद पैसों के लालच में मरीजों की जान के साथ खिलवाड़ किया जा रहा था। पुलिस की गिरफ्त में आए आरोपित के बारे में खुलासा हुआ है कि वह बिना किसी ब्लड सैंपल की जांच किए ही फर्जी मेडिकल रिपोर्ट तैयार कर देता था। वर्तमान में पुलिस ने आरोपित को एक दिन के रिमांड पर लिया है ताकि रिपोर्ट तैयार करने में इस्तेमाल किए गए कंप्यूटर और प्रिंटर को बरामद किया जा सके। पुलिस जांच में यह चौंकाने वाली बात सामने आई है कि आरोपित पिछले चार वर्षों से कुंडली क्षेत्र में अपनी लैब चला रहा था। वह मरीजों का भरोसा जीतने के लिए दिल्ली की एक अत्यंत प्रतिष्ठित और बड़ी लैब के लेटरहेड का अवैध रूप से इस्तेमाल करता था। आरोपित कंप्यूटर और प्रिंटर की मदद से हूबहू नकली रिपोर्ट तैयार करता और उन पर दिल्ली की लैब का नाम अंकित कर देता था ताकि मरीजों को रिपोर्ट की सत्यता पर रत्ती भर भी संदेह न हो। आरोपित ने स्वीकार किया है कि वह 3 हजार से लेकर 14 हजार रुपये तक के महंगे टेस्ट के नाम पर मरीजों से मोटी रकम वसूलता था और अधिक मुनाफे के लालच में वह फर्जीवाड़ा करने लगा।

- **रिमांड के दौरान पुलिस बरामद करेगी कंप्यूटर और प्रिंटर**

बच्ची के बिगड़ते स्वास्थ्य ने खोला फर्जीवाड़े का राज

इस पूरे काले कारनामे का पर्दाफाश कुंडली की एक सोसायटी में रहने वाले निवासी की शिकायत के बाद हुआ। शिकायतकर्ता की 10 वर्षीय बेटी का पिछले तीन-चार साल से ग्रोथ हार्मोन से संबंधित इलाज चल रहा था। इसके लिए नियमित रूप से इंसुलिन लाइक ग्रोथ फैक्टर (आईजीएफ)-1 की जांच करानी पड़ती थी। परिवार का डॉ. राजेश रंजन की लैब से टेस्ट करवाते रहे। आरोपित द्वारा दी गई फर्जी रिपोर्टों के आधार पर ही शहर के मुख्य चिकित्सक बच्ची की दवाओं की डोज कम या ज्यादा करते रहे। लंबे समय तक इलाज चलने के बाद भी जब बच्ची के स्वास्थ्य में कोई सुधार नहीं हुआ और उसके शरीर के अन्य अंग प्रभावित होने लगे, तो परिजनों को शक हुआ। जब उन्होंने अन्य स्थान से जांच कराई तो पता चला कि पुरानी सभी रिपोर्ट फर्जी थीं। वर्षों तक बच्ची का इलाज उन नकली कागजों के आधार पर होता रहा, जिसने उसके स्वास्थ्य को गंभीर नुकसान पहुंचाया।

आरोपित से पूछताछ कर रही पुलिस

पीड़ित परिवार की शिकायत मिलते ही कुंडली थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपित को दबोच लिया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि यह एक अत्यंत गंभीर अपराध है क्योंकि इसमें सीधे तौर पर लोगों के जीवन के साथ खिलवाड़ किया गया है। रिमांड के दौरान पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि आरोपित ने अब तक और कितने लोगों को इस तरह की फर्जी रिपोर्ट थमाई हैं। पुलिस ने लैब से जुड़े अन्य दस्तावेजों को भी कब्जे में लेना शुरू कर दिया है ताकि आरोपित के खिलाफ अदालत में पुख्ता सबूत पेश किए जा सकें।

जिले का 53वां स्थापना दिवस आज

म्हारा सोनीपत लिख रहा है विकास की नई इबारत

परिवहन क्रांति से औद्योगिक हब बनने के पथ पर शहर

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में शामिल सोनीपत जिला आज अपने 53वें स्थापना दिवस पर एक ऐसे मुकाम पर खड़ा है, जहां अतीत की गौरवशाली विरासत और भविष्य की तेज रफ्तार एक साथ दिखाई दे रही है। कभी शिक्षा और साइकिल उद्योग के लिए पहचाना जाने वाला सोनीपत अब परिवहन, उद्योग और आधुनिक बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों की ओर अग्रसर है। मेट्रो, रैपिड रेल और ऑर्बिटल रेल कॉरिडोर जैसी बड़ी परियोजनाएं जिले के विकास को नई दिशा देने जा रही हैं। इन परियोजनाओं के धरातल पर उतरने से न केवल आवागमन आसान होगा, बल्कि व्यापार, शिक्षा और रोजगार के अवसरों में भी अभूतपूर्व वृद्धि होगी। 53वें स्थापना दिवस के अवसर पर सोनीपत आज केवल अपने अतीत को याद नहीं कर रहा, बल्कि भविष्य की योजनाओं और संभावनाओं को भी साकार करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। मेट्रो, रैपिड रेल, ऑर्बिटल कॉरिडोर, ऑटोमोबाइल उद्योग और ऐतिहासिक विरासत के साथ 'म्हारा सोनीपत' विकास की नई इबारत लिख रहा है। आने वाले वर्षों में यह जिला न केवल हरियाणा बल्कि पूरे एनसीआर में एक नई पहचान के साथ उभरेगा, जहां परंपरा और प्रगति दोनों साथ-साथ चलेंगी।

स्थापना दिवस पर दिखाई दे रहा है अतीत की विरासत और भविष्य की रफ्तार का संगम

जमीन पर उतर चुकी मेट्रो योजना

सोनीपत में मेट्रो परियोजना अब कागजों से निकलकर जमीन पर उतर चुकी है। दिल्ली से सीधी मेट्रो कनेक्टिविटी मिलने के बाद रोजाना हजारों यात्रियों को राहत मिलेगी। इसके साथ ही दिल्ली से सोनीपत, पानीपत और करनाल को जोड़ने वाली दिल्ली-पानीपत-करनाल आरआरटीएस परियोजना भी वास्तविक निर्माण की दिशा में आगे बढ़ रही है। हाई-स्पीड रैपिड रेल नेटवर्क के जरिए यह दूरी बेहद कम समय में तय की जा सकेगी। अनुमान है कि आने वाले चार वर्षों में मेट्रो और रैपिड रेल दोनों परियोजनाएं पूरी हो जाएंगी। वहीं मानेसर से सोनीपत तक प्रस्तावित ऑर्बिटल रेल कॉरिडोर भी तेजी से आगे बढ़ रहा है, जिससे एनसीआर के विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों के बीच सीधा संपर्क स्थापित होगा। इन परिवहन परियोजनाओं के पूरा होने से सोनीपत की कनेक्टिविटी दिल्ली, गुरुग्राम और फरीदाबाद जैसे प्रमुख शहरों से और मजबूत होगी। इसका सीधा असर यहां के उद्योग, रियल एस्टेट, शिक्षा संस्थानों और रोजगार के अवसरों पर पड़ेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि सोनीपत आने वाले वर्षों में एनसीआर का एक प्रमुख ट्रांजिट और औद्योगिक हब बनकर उभरेगा।

साइकिल उत्पादन से कारों के निर्माण का शानदार सफर

औद्योगिक विकास की बात करें तो सोनीपत का सफर भी बेहद दिलचस्प रहा है। वर्ष 1951 में एटलस कंपनी की ओर से साइकिल उत्पादन की शुरुआत ने सोनीपत को देश और विदेश में एक अलग पहचान दिलाई। लंबे समय तक यह जिला साइकिल उद्योग का बड़ा केंद्र बना रहा। समय के साथ उद्योगों का स्वरूप बदला और अब सोनीपत ऑटोमोबाइल सेक्टर में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रहा है। खरखौदा आईएमटी में मारुति का विशाल प्लांट स्थापित हो चुका है, जहां कारों का उत्पादन शुरू हो गया है। यह परियोजना न केवल जिले के औद्योगिक नक्शे को बदल रही है, बल्कि हजारों युवाओं को रोजगार भी प्रदान कर रही है। इसके साथ ही आने वाले दो वर्षों में बाइक निर्माण की भी शुरुआत होने जा रही है। सुजुकी की ओर से यहां प्लांट लगाया जा रहा है, जिससे दोपहिया वाहन उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा। इससे सोनीपत की पहचान एक बहुआयामी औद्योगिक केंद्र के रूप में और मजबूत होगी। ऑटोमोबाइल सेक्टर के विस्तार से सहायक उद्योगों, लॉजिस्टिक्स, सर्विस सेक्टर और स्टार्टअप्स को भी गति मिलेगी।

तेजी से हो रहा विकास

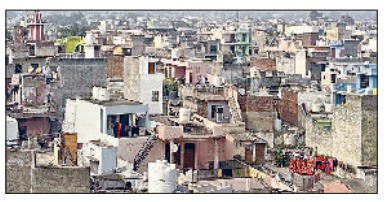

सोनीपत का विकास केवल आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर और उद्योगों तक सीमित नहीं है। यह जिला अपने समृद्ध इतिहास और सांस्कृतिक विरासत के लिए भी जाना जाता है। महाभारत काल का स्वर्णप्रस्थ, जिसे पांडवों की राजधानी माना जाता है, आज भी सोनीपत की ऐतिहासिक पहचान का प्रतीक है। ख्वाजा खिजर का मकबरा, प्राचीन कोस मीनारें और स्वर्णप्रस्थ संग्रहालय जैसे धरोहर स्थल इस जिले के गौरवशाली अतीत की कहानी कहते हैं। आधुनिक विकास के साथ इन ऐतिहासिक धरोहरों को संजोकर रखना सोनीपत की विशेषता है। शिक्षा के क्षेत्र में भी सोनीपत ने पिछले कुछ दशकों में उल्लेखनीय प्रगति की है। यहां राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के शिक्षण संस्थान स्थापित हो चुके हैं, जिनमें देशभर से विद्यार्थी पढ़ने आते हैं।

नौकरी का झांसा देकर विदेश भेजकर बंधन बनाने का आरोपी गिरफ्तार

पुलिस ने फतेहाबाद के भट्ठू कलां निवासी सुनील को मामले में पकड़ा

पुलिस ने अदालत में पेश कर दो दिन के रिमांड पर लिया, छह पहले हो चुके गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

क्राइम यूनिट गन्नौर टीम ने नौकरी का झांसा देकर युवक को विदेश भेजकर बंधक बनाने व उसके परिजनों से रुपये मांगने के मामले में सातवें आरोपित को गिरफ्तार किया है। आरोपित फतेहाबाद जिले के भट्ठू कलां निवासी सुनील है। उसे अदालत में पेश कर दो दिन के रिमांड पर लिया है। गांव रेवली निवासी धर्मेंद्र ने 6 अप्रैल को शिकायत दी थी कि उनके छोटे भाई सीताराम 26 फरवरी को नौकरी के झांसे में आकर दिल्ली से बैंकाक होते हुए कंबोडिया गए थे। सीताराम को मंजीत उर्फ मोटा ने सुशील नामक एजेंट से मिलवाया था।

कंबोडिया में कैद कर टार्चर किया

आरोप है कि सुशील, विकास, मोनू उर्फ जेपी और मंजीत के गिरोह ने झूठ बोलकर उन्हें विदेश भेजा और कंबोडिया में बंधक बना लिया। बाद में सीताराम ने व्हाट्सएप कॉल पर परिवार को बताया कि उन्हें कंपनी के लोग प्रतिदिन पीटते हैं व उसे छोड़ने के लिए अपने घर से पैसे मंगवाने को कहते हैं। इस पर मुरथल थाने में प्राथमिकी दर्ज की थी। इस मामले में छह आरोपितों को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। अब सातवें आरोपित सुनील को भी गिरफ्तार का दो दिन के रिमांड पर लिया है।

हारना तब आवश्यक हो जाता है, जब लड़ाई अपनों से हो, और जीतना तब आवश्यक हो जाता है, जब लड़ाई अपने आप से हो।

-हरिवंश राय बच्चन

समय अपनी गति से चलता रहा और वंदना अपने काम की दुनिया में मस्त हो गई। उसकी मेहनत को देखते हुए कंपनी ने उसे सीनियर मैनेजर की पोस्ट पर नियुक्त कर दिया और तब उसकी जिंदगी में एक नया मोड़ आया। कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर यानि मालिक घोष के बेटे मिलिंद की नजर वंदना पर पड़ी और वह उसकी सूरत और सीरत का कायल हो गया, यानि उसे वंदना से प्रेम हो गया।

कहानी

आशमा कौल

ढाल

खिड़की पर खड़ी वंदना को पता ही नहीं चला कि मीठी हवा ने अचानक आंधी का रूप कब ले लिया और किरकिरी उसकी आँखों में समा गई। उसने तुरंत खिड़की बंद की और बेसिन पर अपनी दुखती आँखों में पानी के छींटें मारने लगी। शीशे में देखा तो दोनों आँखें लाल थी, वैसे भी उसे इसकी आदत हो चुकी थी। मन का हर गुबार वह बाथरूम में ही आकर निकालती थी। वंदना का ब्याह हुए दो वर्ष हो चुके हैं। बचपन में वंदना, घर भर की दुलारी और लाड़ली बेटी बहुत नाजों में पली थी, माँ-पिताजी कॉलेज में अधिवक्ता थे तो वंदना भी पढ़ने में होशियार रही।

'वंदू रानी, वंदू रानी कहाँ चली'- कहते हुए माँ वंदना को बाहों में भर लेती और वंदना खिलखिलाते हुए अपनी सहेलियों के साथ खेलने की जिद करती। चुलबुली वंदना अपनी सहेलियों की भी चहेती थी। मुस्कराती और खिलखिलाती वंदना सभी का दिल पल भर में मोह लेती थी। स्कूल पूरा हुआ तो वंदना ने इंजीनियरिंग में दाखिला लिया और चार साल की पूरी मेहनत के बाद एक मल्टीनेशनल कंपनी में कार्यरत हो गई। वंदना के पास उड़ने के लिए अब पूरा आसमान था और वंदना के पंखों में भी बहुत हौंसला था। वह हर दिन जोश से अपने टारगेट पूरे करती तो सबका सम्मान भी पाती। अपनी कंपनी से बेस्ट इंजीनियर का खिताब भी वह कई बार पा चुकी थी। दिन भर की व्यस्तता के बाद जब वंदना और उसके मम्मी-पापा शाम को मिलते तो वह अपनी बिटिया की उपलब्धियां देख सुनकर गर्व से फूले न समाते। डिनर टेबल पर पापा और बेटी के बीच दिन भर की चर्चा चलती। उस दिन भी गपशप चल रही थी जब माँ ने कहा 'वंदना अब मैं तुम्हारा ब्याह करना चाहती हूँ, कोई लड़का तुम्हारी नजर में है तो मुझे बिना झिझके बता दोश'। माँ की बात सुन वंदना अचानक सकते में आ गई – 'माँ आज अचानक आपको मेरे ब्याह का ख्याल कैसे आ गया'।

'जब बेटी बड़ी हो जाती है तब माँ की नींद गायब हो जाती है, तुम नहीं समझोगी'

'पापा देखो, आप ही समझाओ माँ को कि अभी इतनी जल्दी न करे, अभी तो मेरा कैरियर शुरू हुआ है'

'बेटा तुम सही कह रही हो लेकिन माँ भी अपनी जगह सही है। हर चीज़ समय पर अच्छी लगती है और अभी तो हमारी सुंदर गुणवान बेटी के लिए लड़का ढूँढने में भी समय लगेगा, देखो शादी के बाद भी तुम अपनी लग्न से बुलंदियाँ छू सकती हो' – पापा ने कहा तो माँ ने तुरंत तसल्ली देते हुए कहा– " मैंने भी तो शादी के बाद अपनी नौकरी जारी रखी और आज भी पढ़ा रही हूँ, तुम भी आगे अपना पैशन फॉलो करना, चलो अब आराम करो कल फिर सुबह निकलना है'।

मम्मी-पापा को शुभ रात्रि कह कर वंदना अपने कमरे में आकर अपने भविष्य के सुंदर सपने बुनती हुई नींद के आगोश में चली गयी।

समय अपनी गति से चलता रहा और वंदना अपने काम की दुनिया में मस्त हो गई। उसकी मेहनत को देखते हुए कंपनी ने उसे सीनियर मैनेजर की पोस्ट पर नियुक्त कर दिया और तब उसकी जिंदगी में एक नया मोड़ आया। कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर यानि मालिक घोष के बेटे मिलिंद की नजर वंदना पर पड़ी और वह उसकी सूरत और सीरत का कायल हो गया, यानि उसे वंदना से प्रेम हो गया। वह किसी न किसी बहाने वंदना को अपने कैबिन में बुलाता और उसकी तारीफ करता लेकिन वंदना तो अपने काम की बात करना ही पसंद करती लेकिन बड़े बाप के जिद्दी बेटे ने यह तय कर लिया था कि अगर वह ब्याह करेगा तो वंदना से ही करेगा।

मिलिंद ने अपने पापा से इस बारे में बात की तो घोष साहब खुश हो गए क्योंकि उन्हे वंदना हर तरह से बहुत पसंद थी। घोष साहब ने वंदना को बुला कर उससे भी सलाह ली तो उसने शर्माते हुए अपने पापा, अनिल शर्मा का नंबर दे दिया। अगले ही दिन घोष साहब और मिलिंद वंदना के घर में आमंत्रित थे।

'आईए आईए घोष साहब आपका स्वागत है हमारे गरीबखाने में' – शर्मा जी ने मेहमानों का बाहें खोल कर स्वागत किया और अपनी पत्नी को आवाज लगाई। घोष साहब और मिलिंद ड्रॉइंग रूम में बैठे ही थे कि वंदना भी पानी लेकर कमरे में आ गयी।

'बेटा इधर आओ और मेरे पास बैठो' - घोष साहब ने लाड़ से वंदना को अपने पास बिठाया और बोले 'प्रोफेसर साहब बहुत प्यारी और मेहनती बिटिया है आपकी, अगर आपको मंजूर हो तो मैं इसे अपनी बिटिया बनाना चाहता हूँ'।

'क्यों नहीं, यह तो आपकी बहुत तारीफ करती है कि आपने इसका करियर बनाने में बहुत मदद की है, अगर दोनों बच्चों को मंजूर है तो मुझे इस रिश्ते में कोई आपति नहीं'।

'बहुत बढ़िया बात कही आपने, मिलिंद बेटा आप और वंदना बिटिया अंदर कमरे में जाकर बातचीत कर लो और अपनी सहमति बताओ ताकि हम लोग भी निश्चिंत होकर विवाह की तारीख निश्चित कर सकें'– घोष साहब ने दोनों बच्चों को देखते हुए अपनी बात रखी।

'हाँ-हाँ वंदना, मिलिंद को अपना कमरा दिखाओ और आराम से बैठकर बातचीत करो' – वंदना की माँ ने घोष साहब को चाय का प्याला थमाते हुए कहा तो वंदना मिलिंद को अपना कमरा दिखाने के लिए उठ खड़ी हुई।

इधर घोष साहब, शर्मा जी से गुफ्तगू में लग गए और उधर उनकी पत्नी डिनर की तैयारी में लग गई। वंदना का सुसज्जित कमरा देखकर मिलिंद बहुत प्रभावित हुआ और तारीफ़ के पुल बांधने लगा- 'अरे वाह, वंदना बहुत सुंदर सजा रखा है तुमने अपना कमरा, मैं तो पूरी तरह से तुम्हारा दीवाना हो गया हूँ, लगता है तुम्हें खाना बनाने में भी निपुणता हासिल होगी, अरे मैं ही बोले जा रहा हूँ, तुम भी तो कुछ बोलो'।

'मिलिंद पहले बैठ तो जाओ फिर बताती हूँ कि कमरा तो मैं सजा कर रखती हूँ, लेकिन खाना बनाने का समय कहाँ मिलता है मुझे। वह तो मैं माँ की थोड़ी बहुत मदद करा देती हूँ और काम वाली बाई भी तो आती है। मिलिंद तुम्हे खाना बनाना आता है क्या'– वंदना ने पूछा तो मिलिंद कुछ भावुक हो गया।

'वंदना जब मैं दो साल का था तभी मेरी माँ मुझे छोड़ कर चली गई, तब से मुझे पापा और दादी ने पाला, फिर दादी भी साथ छोड़ गई और अब मेरी दुनिया में सिर्फ पापा हैं, वैसे तो बाहर मित्रों और घर में नौकरों की कमी नहीं है लेकिन फिर भी माँ की कमी खटकती है और मुझे यकीन है कि उस कमी को तुम ही पूरा कर सकती हो वंदना'।

मिलिंद की बातें सुन कर वंदना भी भावुक हो कर बोली – 'मिलिंद अगर हमारी शादी होती है तो मैं तुम्हारी आकांक्षाओं पर खरी उतरने की पूरी कोशिश करूंगी, लेकिन मिलिंद ताली कभी एक हाथ से नहीं बजती, इसमें तुम्हें भी मेरी पूरी मदद करनी होगी। मिलिंद मैं शादी के बाद भी काम करूंगी और कम्पनी को और भी ऊंचाइयों पर ला कर दिखाऊँगी।

'हाँ वंदना, मैं अपने कहे से कभी पीछे नहीं हटूँगा, तुम बस शादी के लिए हाँ कर दो'।

हँसते हुए मिलिंद और वंदना बाहर बैठक में आए तो सबने ताली बजा कर उनका स्वागत किया। दोनों तरफ से हाँ हो चुकी थी, अब केवल औपचारिक बातें हो रही थी। डिनर की मेज़ सज गई थी, सबने एक साथ बैठकर खाना खाया और फिर खुशी में मुंह मीठा किया।

अगले कुछ दिनों में वंदना के मम्मी-पापा ने पंडित जी से मिलकर शादी की तारीख तय कर ली। वंदना की माँ बहुत खुश थी कि उसकी पुत्री को सुयोग्य वर और अच्छा घर मिल गया लेकिन उसकी चिंता यह थी कि लड़के की माँ नहीं है और वंदना पर घर का पूरा दबाव आ जाएगा, लेकिन पति और बिटिया के समझाने पर वह निश्चिंत हो गई। वंदना बहुत समझदार लड़की थी और विवाह के बाद उसने अपने घर को बहुत अच्छे से संभाल लिया। सुबह जल्दी उठ कर काम वाली की मदद से वह नाश्ता और लंच तैयार करती और फिर पति और ससुर के साथ कंपनी का काम भी कुशलता से संभालती। सब उसकी तारीफ करते नहीं थकते। उसकी काबलियत देख कर घोष साहब जरूरी मामलों में बेटे से ज्यादा बहू पर विश्वास करते और हर मामले में उसकी राय लेते जो मिलिंद को पसंद नहीं आता।

मिलिंद वंदना को नीचा करने का कोई न कोई बहाना ढूँढता जो वंदना को समझ आने लगा था लेकिन वह चुप रहती ताकि उनके दांपत्य जीवन में दरार न आए। उसे बात-बात पर रुलवाना मिलिंद की आदत में शुमार हो गया था।

'मैंने एक लड़की से शादी की थी जो मेरा घर संभाल सके, कंपनी संभालने के लिए मैं हूँ'– मिलिंद वंदना को बात-बात में ताना मारता तो वंदना भी कह पड़ती – 'मिलिंद मैंने भी उतनी ही पढ़ाई की है जितनी तुमने, मैं भी अपनी जिंदगी जीना चाहती हूँ। शादी से पहले तुमने वादा किया था कि हम हर काम मिलकर करेंगे लेकिन दो साल में ही तुम बदल गए हो'।

बात-बात पर प्रताड़ित होती वंदना अपने दिल का गुबार आंसुओं में निकाल लेती लेकिन उस दिन तो मिलिंद ने हद ही पार कर दी, गंगा जैसी निर्मल वंदना पर गलत आक्षेप लगाकर। वंदना और मनोज एक ही प्रोजेक्ट पर काम कर रहे थे और उस मामले में मनोज को वंदना के कैबिन में कई बार जाना पड़ता था जो मिलिंद को बिल्कुल पसंद नहीं था। घोष साहब के कानों में जब यह बात पड़ी तो उन्होंने मिलिंद को बहुत समझाने की कोशिश की लेकिन उसकी बुद्धि को भ्रष्ट करने में उसके कुछ बिगड़ैल दोस्तों का हाथ था। अब तो समझने की जगह वह वंदना को और प्रताड़ित करने लगा और एक दिन मनोज को उसके कैबिन में जाते देख उसने हंगामा शुरू कर दिया।

'साले, बाहर निकल, मेरी बीवी के साथ गुलछर्रे उड़ाता है'।

'मिलिंद क्या कह रहे हो, होश में तो हो तुम'

'बकवास बंद कर' - मिलिंद वंदना का हाथ मरोड़ते हुए चिल्लाया- 'हाँ, होशोहवास में कह रहा हूँ, तुम कोई सती सावित्री नहीं, बदचलन हो, पहले मुझे अपने झाल में फंसाया और अब इसको फंसा रही हो'। यह सुनते ही वंदना को लगा जिसे किसी ने उस पर खौलता पानी डाल दिया हो और वह पूरी तरह झुलस गयी हो। कभी-कभी शारीरिक प्रताड़ना से बड़ी मानसिक प्रताड़ना होती है। सात फेरों के बाद अगर किसी औरत पर उसका पति इतना गलत और गिरा हुआ आक्षेप लगाए तो उसको क्या करना चाहिए। सबका कहना है कि उसको सब्र रखना चाहिए लेकिन वंदना पढ़ी-लिखी एक इज्जतदार घर की लड़की है और वह किसी भी तरह के गलत आक्षेप को स्वीकार नहीं कर सकती।

वंदना अपना सामान लेकर मायके आ गई है। खिड़की पर खड़ी वंदना के मन में उथल-पुथल चल रही है कि वह क्या करे। बाहर ठंडी हवा ने आंधी का रूप ले लिया है और वंदना ने एक अहम फैसला ले लिया है कि वह इस अंदर और बाहर की आंधी को अपने जीवन में घुसने नहीं देगी। उसने खिड़की को बंद कर दिया है और वॉश बेसिन पर आँखों को धो लिया है। अब उसे सब कुछ साफ दिख रहा है, उसने मन ही मन कुछ निश्चय किया है और उसके मम्मी-पापा उसके फैसले में उसके साथ उसकी ढाल बनकर खड़े हैं। बाहर आंधी थम चुकी है। वंदना ने खिड़की खोल दी है और शीतल बयार उसके तन और मन को सहला रही है।

लघु कथा | डॉ. अंजना गर्ग

घर जाग रहे, चोर भाग रहे

कल रात घुमंतु गली में घूम रहा था।
देखा—दो चोर बिजली के खंभे के नीचे उदास बैठे हैं,
जैसे सरकार ने चोरी पर भी जीएसटी लगा दिया हो।
घुमंतु ने पूछा,"क्यों रे भाइयो, आज धंधे पर नहीं गए?"
पहला चोर बोला,"घुमन्तू जी, धंधा ही चौपट हो गया, कहांजाएँ ?
क्यों, क्या हुआ ?ह घुमंतु ने प्रश्न दागा।
रात तीन बजे तक बच्चे मोबाइल के साथ जागते-जागते चौकीदार बन गए हैं।
सुबह चार बजे बुजुर्ग उठकरभगवान को लाइव कॉल लगा देते हैं!
दूसरा चोर आह भरते हुए बोला,"हम चोर हैं,
24 घंटे जागरण नहीं कर सकते!
इन घरों में तो नींद का भी प्रवेश-निषेध है,
चोरी तो दूर की बात है।"
घुमंतु हँस पड़ा—"लगता है भाइयो,
देश से नींद भी भ्रष्टाचार से डर कर भाग गई है।

कविता | भूपसिंह भारती

मां फुले का वंदन

मां फुले का वंदन, मां फुले का वंदन। हाथ जोड़कर नमन करें, नन्हें मुन्ने नंदन।।

सदियों से बंद रहा, शिक्षा का दरवाजा, उसे खोल कहा फुले ने, पढ़ने अंदर आजा,
ना ऊंच नीच कोई, ना कोई है बंधन। मां फुले का वंदन, मां फुले का वंदन।।

पत्थर गोबर फेंका, जब चली पढ़ाने मां, ना रुकी क्रांति ज्योति, लगी कदम बढ़ाने मां,
फुले की कुर्बानी, कर गई सब को धन धन। मां फुले का वंदन, मां फुले का वंदन।।

सब पाखंडों को मिटाकर, हर घर में ज्ञान फैलाया, ना अनपढ़ रहे कोई, शिक्षा का दीप जलाया,
मां लगा महकने अब, तेरी मेहनत का चंदन। मां फुले का वंदन, मां फुले का वंदन।।

सत पथ पर चलकर के, फुले का मान करो, बनो एक नेक सारे, सुरक्षित संविधान करो,
कहे 'भारती' जीवन में, ना रहे कोई क्रंदन। मां फुले का वंदन, मां फुले का वंदन।

कविता | सपना

अनकही बातें

कितनी अन्कही बाते हैं जो हम कह नहीं पाते ।
चाह कर भी किसी को बता नहीं पाते ।।

जानते हैं कि कोई ख़ुश न होगा हमारी ख़ुशी में ।
जानते हैं कि कोई दुखी न होगा हमारे दुख में ।।

क्यों भाईचारा नहीं रहा परिवारो में ?
क्यों एहसास नहीं रहा रिश्तों में ??
किस मुकाम पर आ कर खड़े हैं सब ।
जहाँ न सच बोलने वाले हैं न सुनने वाले ।।

जहाँ न सही का साथ देने वाले हैं ।
न वालत का विद्रोह करने वाले हैं ।।
न जाने क्यों टूट गई है हिम्मत ।
न जाने क्यों बिखर गए हैं ख़्वाब ।।

बस एक ज़िम्मेदारी सा लगता है जीवन ।
अनकहा अनसुना अनछुआ ...।।

कथाकार रत्नकुमार सांभरिया की लेखनी से शोषित-वंचित वर्ग के बहुआयामी शोषण, दमन, उत्पीड़न, अत्याचार आदि के मुंह बोलते शब्दचित्र जीवंत होकर कथा-कहानी व नाटकों में ढले हैं। यही कारण है कि हर पाठक को इस जमीनी लेखक के पात्रों की पीर भोगा, देखा व सुना यथार्थ प्रतीत होता है। नई पीढ़ी के नाम संदेश में वे कहते हैं कि ज्यादा से ज्यादा स्वाध्याय करें तथा छपने की जल्दबाजी नहीं करें। बड़ों से मार्गदर्शन लेते रहें और मौलिक सृजनता पर ज्यादा ध्यान दें।

साक्षात्कार | सत्यवीर नाहड़िया

शोषितों के स्वाभिमान को शब्द देना लेखकीय दायित्व : सांभरिया

साहित्य समाज का दर्पण ही नहीं होता, समाज का दिशाबोधक भी होता है, इसलिए लेखकीय दायित्व स्वाभाविक तौर पर बढ़ जाता है। सामाजिक विसंगतियों तथा विद्रूपताओं को उजागर करते हुए इनका समाधान भी सुझाना हमारा दायित्व है। शोषितों तथा वंचितों के न्याय युद्ध में शामिल होकर उनके स्वाभिमान को रेखांकित करना हर रचनाकार का दायित्व है। यह मानना है कथा साहित्य के क्षेत्र में देश के जाने-माने कथाकार-समालोचक का, जिन्होंने पिछले कई दशकों में निरंतर कथा-साहित्य को नए प्रयोगों के साथ समृद्ध किया है। यही कारण है कि कथा साहित्य के मूल तत्त्वों को अपनी मौलिक प्रयोगधर्मिता तथा अनवरत सृजनशीलता की अनूठी साधना से नयी ऊंचाइयां प्रदान करने वाले देश के चुनींदा रचनाकारों में रेवाड़ी के कथाकार रत्नकुमार सांभरिया का नाम बड़े आदर व सम्मान से लिया जाता है।

हरियाणा साहित्य गौरव सम्मान से अलंकृत इस रचनाकार ने अपनी जन्मभूमि गांव भाड़ावास (रेवाड़ी) को राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी लेखनी से गौरवान्वित कराया है। भाड़ावास के इस लाल के जयपुर स्थित आवास पर लिखा 'भाड़ावास हाउस' इनका अपनी जड़ों के प्रति जुड़ाव एवं लगाव के कृतज्ञभाव का प्रदर्शित करता है। देशभर के विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रमों में जहां उनकी रचनाएं शामिल कर पढ़ाई जा रही हैं, वहीं कहानी, लघुकथा, एकांकी, नाटक, आलोचना, अनुवाद आदि उनकी बहुआयामी सृजनधर्मिता पर तीन दर्जन से ज्यादा विद्यार्थी एमफिल व पीएचडी कर शोध कर चुके हैं। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, राजस्थान से बतौर उपनिदेशक (प्रशासन) सेवानिवृत्त होकर अब पूर्ण रूप से साहित्य सृजन में साधनारत हैं। 6 जनवरी, 1956 को रेवाड़ी जिले के ऐतिहासिक गांव भाड़ावास में माता जुगरी देवी तथा पिता सिंहराम के घर जन्मे बालक रत्नकुमार ने आठवीं कथा तक पढ़ाई गांव से, फिर शेष रेवाड़ी के अहीर स्कूल, अहीर कॉलेज, एसपी कॉलेज आदि से पूरी कर राजस्थान में प्राथमिक शिक्षक के तौर पर आदिवासी बच्चों को पढ़ाते हुए अपनी व उनके बचपन की गरीबी पर कहानी लिखकर लेखन की शुरूआत की। विपुल कथा साहित्य के रचयिता सांभरिया ने कहानी एवं लघुकथा के क्षेत्र में देशभर में खास मौलिक पहचान बनाकर हरियाणा, रेवाड़ी तथा भाड़ावास का मान बढ़ाया है। उनकी कहानी 'मैं जीती' पर जहां राजस्थान सरकार का समाज कल्याण विभाग टेलीफिल्म का निर्माण कर चुका है, वहीं उनकी अन्य अनेक कहानियों एवं लघुकथाओं पर रेडियो नाट्य रूपांतर प्रसारित हो चुके हैं। उनकी रचनाधर्मिता का विभिन्न भाषाओं में अनुवाद उनकी सृजनशीलता के विस्तृत फलक तथा गुणात्मकसृजन का प्रमाण है। डॉ. अंबेडकर एक जीवन का जहां अरबी एवं सिंधी में अनुवाद हो चुका है, वहीं मियांजान की कुकड़ी नामक पंद्रह कहानियों का अरबी-सिंधी में अनुदान हुआ है। नाटक-एकांकी के प्रखर हस्ताक्षर श्री सांभरिया की रचनाओं को देशभर के विश्वविद्यालयों ने अपने पाठ्यक्रमों में शामिल किया है। सरल व सहज व्यक्तित्व के धनी सांभरिया के अपने बचपन की गरीबी के दिन, टपकती छान, नंगे पैर स्कूल जाना, निरंतर आर्थिकी विषमताओं से जूझना, खेतिहर मजदूर पिता का संघर्ष आज भी याद है। यही कारण है कि उनकी कहानियों, नाटकों, लघुकथाओं के पात्र संघर्ष में घुटने नहीं टेकते,प्लायन भी नहीं करते अपितु जमकर-डटकर संघर्ष करते हैं।

प्रकाशित पुस्तकें

कथा साहित्य के अनूठे साधक कथाकार रत्नकुमार सांभरिया की लिखी कई पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। इनमें हुकम की दुग्गी, काल तथा अन्य कहानियाँ, खेत तथा अन्य कहानियाँ, दलित समाज की कहानियाँ, एयरगन का घोड़ा , बांग तथा अन्य कहानियाँ, प्रतिनिधि लघुकथा शतक, मुंशी प्रेमचंद और दलित साहित्य, उपन्यास साँप व नटनी, डॉ. अंबेडकर : एक प्रेरक जीवन, नाटक-वीमा, उजास, भभूल्ला आदि नाम शामिल हैं।

रत्नकुमार सांभरिया

पुरस्कार व सम्मान

नवज्योति कथा सम्मान (1998), राष्ट्रीय सहारा कथा पुरस्कार (2005), कथादेश अखिल भारतीय हिंदी साहित्य सम्मान (2007), राजस्थान पत्रिका सृजनात्मक पुरस्कार (2018), हरियाणा साहित्य अकादमी हरियाणा गौरव सम्मान (2014), सुब्रमण्यम भारती सम्मान, केंद्र सरकार (2017) राजस्थान साहित्य अकादमी मीरा सम्मान (2023), बाबू बालमुकुंद गुप्त पत्रकारिता एवं साहित्य संरक्षण सम्मान, रेवाड़ी (2025) आदि शामिल हैं।

एक-दूसरे के पूरक हैं साहित्य और स्वाध्याय

विमर्श | डॉ. चंद्र त्रिखा

हरियाणा की पावन धरती भारतीय साहित्य के इतिहास में एक अद्वितीय स्थान रखती है, जिसे वेदों की जन्मस्थली होने का गौरव प्राप्त है। महर्षि वेदव्यास द्वारा 'महाभारत' की रचना भी इसी माटी पर हुई, जिसने न केवल भारत अपितु संपूर्ण विश्व को जीवन दर्शन का पाठ पढ़ाया। मध्यकाल में संत साहित्य की अविरल धारा यहाँ प्रवाहित हुई, जिसमें बाबा फरीद की सूफी वाणी और संत निश्चल दास के दार्शनिक चिंतन ने समाज को वैचारिक स्पष्टता प्रदान की। हरियाणा का साहित्य केवल पन्नों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यहाँ की लोक विधा 'सांग' और रागिनियों के माध्यम से यह सामान्य जनमानस के कंठहार का हिस्सा बना। पंडित लखमीचंद जैसे कवियों ने लोक-साहित्य को जो ऊँचाई दी, उसने हरियाणा की विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान को वैश्विक पटल पर मजबूती से स्थापित किया। समकालीन परिदृश्य में हरियाणा का साहित्य बहुआयामी और प्रगतिशील है। खड़ी बोली के विकास में बालमुकुंद गुप्त जैसे दिग्गजों का योगदान अविस्मरणीय है, जिन्होंने अपनी लेखनी से राष्ट्रीय चेतना को जगाया। वर्तमान समय में हरियाणा के रचनाकार कविता, कहानी और उपन्यास के माध्यम से सामाजिक विसंगतियों, नारी विमर्श और किसान जीवन की चुनौतियों को मुखरता से अभिव्यक्त कर रहे हैं। राज्य की हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी और अनेक साहित्यिक संस्थाएं इस दिशा में अपने प्रयास कर रही है, जिससे नए लेखकों को मंच और प्रोत्साहन मिल रहा है। प्रत्येक वर्ष 500 से 600 साहित्यिक पुस्तकें प्रकाशित हो रही हैं। लेकिन एक विडंबना अब हमारे सामने आ रही है कि मुख्यधारा के विमर्श में हरियाणा में साहित्य के नाम पर कविताएँ ही अधिकाँश रूप से लिखी जा रही हैं और उसमें भी लघु कविता का बोलबाला है। जबकि गद्य में लघुकथा रचना का प्रभाव बढ़ रहा है। ऐसे में उपन्यास, कहानी, आलेख और काव्य खंड की स्थिति विचारणीय हो गई है। वर्तमान में साहित्य निहित गंभीर दार्शनिकता और मानवीय संवेदनाएं दुर्लभ सी हो रही हैं। आप ध्यानपूर्वक देखेंगे तो पायेंगे कि आज की युवा पीढ़ी में हमारे पास केवल कुछ चुनींदा लेखक ही हैं। जहां पूरी दुनिया के विभिन्न क्षेत्र युवा हाथों में सुरक्षित दिखाई देते हैं वहीं साहित्य की जिम्मेदारी का भार अभी भी वरिष्ठ साहित्यकारों के कन्धों पर होना चिंतनीय है। आज साहित्यकार जो लिख रहे हैं, वह भी अपेक्षित अध्ययन के बाद नहीं लिखा जा रहा है। साहित्य की इस समृद्ध विरासत को अक्षुण्ण रखने और इसे नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने के लिए 'स्वाध्याय' की आवश्यकता आज पहले से कहीं अधिक अनिवार्य हो गई है। स्वाध्याय ही वह प्रक्रिया है जो किसी भी समाज की बौद्धिक उर्वरता को जीवित रखती है। आज के डिजिटल युग में, जहाँ सूचनाओं का अंबार तो है किंतु ज्ञान की गहराई कम होती जा रही है, वहाँ पठन-पाठन की संस्कृति का ह्रास होना चिंताजनक है। स्वाध्याय केवल सूचना जुटाने का साधन नहीं है, बल्कि यह वह माध्यम है जिसके द्वारा युवा पीढ़ी अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ पाती है। जब तक हम अपने पुरखों द्वारा रचे गए महान ग्रंथों और समकालीन रचनाओं का गहरा अध्ययन नहीं करेंगे, तब तक हम अपनी भाषा और संस्कृति की रक्षा करने में सक्षम नहीं हो पाएंगे। साहित्यिक स्वाध्याय व्यक्ति की आलोचनात्मक सोच को विकसित करता है, जिससे वह समाज में व्याप्त भ्रांतियों और सतही विमर्शों के बीच सत्य को पहचानने की दृष्टि प्राप्त करता है। स्वाध्याय की कमी के कारण ही आज स्तरीय साहित्य की जगह सतही सामग्री ले रही है। अतः, यह आवश्यक है कि हम पुस्तकों के साथ अपना नाता फिर से जोड़ें और पुस्तकालयों को अपने जीवन का अनिवार्य हिस्सा बनाएं। साहित्य और स्वाध्याय एक-दूसरे के पूरक हैं। हरियाणा की साहित्यिक स्थिति को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए पठन की एक नई लहर की आवश्यकता है। स्वाध्याय से परिष्कृत समाज ही अपनी भाषा को मान दिला सकता है और साहित्य के माध्यम से राष्ट्र के निर्माण में अपना श्रेष्ठ योगदान दे सकता है।

स्वाध्याय ही वह प्रक्रिया है जो किसी भी समाज की बौद्धिक उर्वरता को जीवित रखती है। आज के डिजिटल युग में, जहाँ सूचनाओं का अंबार तो है किंतु ज्ञान की गहराई कम होती जा रही है, वहाँ पठन-पाठन की संस्कृति का ह्रास होना चिंताजनक है। स्वाध्याय केवल सूचना जुटाने का साधन नहीं है, बल्कि यह वह माध्यम है जिसके द्वारा युवा पीढ़ी अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ पाती है।

खबर संक्षेप

बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा की मांग

सोनीपत। फीनी देवी सूरजभान चैरिटेबल ट्रस्ट ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार की घोर निंदा की है। ट्रस्ट ने भारत सरकार से बांग्लादेश में रह रहे हिंदुओं की सुरक्षा की मांग की। ट्रस्ट के संरक्षक महावीर गर्ग और अध्यक्ष पवन गर्ग ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार बढ़ रहे हैं। वहां हिंदुओं को निशाना बनाकर उनकी हत्याएं की जा रही हैं। बांग्लादेश में दीपू चन्द्र दास की बर्बर हत्या यह साबित करती है कि बांग्लादेश में अब हिंदु सुरक्षित नहीं हैं।

दिवंगत शिक्षक के परिवार को दी 11 लाख की सहायता

गोहाना। हरियाणा के शिक्षा विभाग के कर्मचारियों व अध्यापकों द्वारा गठित टीचर सेल्फ केयर टीम हरियाणा (टीएससीटी) ने अपना पहला सहयोग अभियान सफलतापूर्वक पूरा किया। इस अभियान के तहत प्रदेशभर के सदस्यों ने स्वैच्छिक सहयोग से लगभग 11 लाख रुपये की राशि एकत्र कर दिवंगत शिक्षक अशोक कुमार के परिवार को दी।अशोक कुमार राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय महमूदपुर में गणित प्रवक्ता थे, जिनका 11 अक्टूबर 2025 को लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया था। एकत्र राशि उनकी धर्मपत्नी प्रवीण देवी के खाते में सीधे ट्रांसफर की गई।

महयोग फाउंडेशन का विश्व ध्यान दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

शांति और सामंजस्य की कुंजी है ध्यान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

महयोग फाउंडेशन द्वारा विश्व ध्यान दिवस पर सेक्टर-26 स्थित द गार्डन क्लब में एक विशेष ध्यान कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में काफी संख्या में योग प्रेमियों और ध्यान साधकों ने भाग लिया। प्रसिद्ध ध्यान आचार्य स्वामी कदम ने अपने संबोधन में वर्तमान समय की तेज रफ्तार जीवनशैली में ध्यान की बढ़ती आवश्यकता पर विशेष प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि ध्यान न केवल व्यक्तिगत शांति का स्रोत है, बल्कि यह विश्व शांति और सामंजस्य की कुंजी भी है। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में ध्यान हमें आंतरिक संतुलन प्रदान करता है। नियमित ध्यान के अभ्यास से तनाव, चिंता और मानसिक अशांति से मुक्ति मिलती है तथा जीवन में संतुलन, स्पष्टता और सकारात्मकता आती है। फाउंडेशन प्रतिनिधि नवीन वशिष्ठ ने मंच संचालन किया। प्रीतम ने धन्यवाद ज्ञापन किया। तकनीकी सहायता हरमीत ने की। इस अवसर पर पूर्व पार्षद नंदकिशोर, अशोक कुमार, नवीन लठवाल, ईश्वर, राजेंद्र गौतम, योगेश कौशिक, अमित रेढू, अमित, बलवान ढाका, नितिन, विपिन, दानवीर सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

सोनीपत। कार्यक्रम में उपस्थित आयोजक एवं अतिथि। फोटो : हरिभूमि

खास बातें

- तेज रफ्तार जीवनशैली में ध्यान की बढ़ती जरूरत पर जोर दिया
- योग प्रेमियों और ध्यान साधकों ने बड़ी संख्या में भाग लिया
- मंच का संचालन नवीन वशिष्ठ ने किया व प्रीतम ने धन्यवाद ज्ञापन किया

ध्यान से शरीर-मन को सकारात्मक ऊर्जा मिलती

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

द्वितीय विश्व ध्यान दिवस के अवसर पर टीडीआई सिटी, कुंडली में ब्रह्माकुमारीज राजयोग केन्द्र, वरदानी भवन में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने विषय संबंधित अपने विचार व्यक्त किए। वक्ता गिनीज रिकार्ड होल्डर डॉ. बीके अदिति सिंघल ने कहा कि वर्तमान समय भौतिक साधनों की संपन्नता के बावजूद मनुष्य असंतुष्टता, चिंता, भय और अवसाद के साए में जीवन जी रहा है। आत्महत्या की प्रवृत्ति बढ़ी है। परिवारों में दांपत्य जीवन में तलाक बढ़ रहे हैं। राजयोग ध्यान का नियमित अभ्यास मन को सशक्त, बुद्धि को दिव्य एवं संस्कारों को नूतन बनाकर श्रेष्ठ संसार की रचना कर सकता है। ध्यान से शरीर और मन दोनों को सकारात्मक ऊर्जा प्राप्त होती है। सेवा केन्द्र संचालिका ब्रह्माकुमारी गीता दीदी ने भी राजयोग ध्यान की अनुभूति कराई। कार्यक्रम संचालन डॉ. निहारिका ने किया। इस अवसर पर डॉ. सुधीर सिंघल, विश्व हिन्दू परिषद के सोनीपत प्रभारी नरेंद्र पाल शर्मा, पुलिस अधिकारी राकेश दुहन, प्रो. रोहतास शर्मा विशेष रूप से मौजूद रहे।

- टीडीआई सिटी कुंडली में द्वितीय विश्व ध्यान दिवस पर कार्यक्रम

सोनीपत। राजयोग केन्द्र प्रतिनिधियों के साथ अतिथि।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी और पुलिस मौके पर पहुंचे, जांच के लिए नमूना भेजा

मांस की सूचना मिलने पर कोल्ड स्टोर पर हंगामा

1513 पैकेट हुए बरामद, किए सील

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

कुंडली के प्याऊ मनियार क्षेत्र में बने एक लॉजिस्टिक कोल्ड स्टोर पर रविवार को हंगामा खड़ा हो गया। मांस की सूचना पर गोरक्षा दल के स्नो मैन लॉजिस्टिक कोल्ड स्टोर में पहुंचे और हंगामा किया। इस दौरान पुलिस व खाद्य सुरक्षा अधिकारी को सूचना दी गई। खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने मांस से भरे 1513 पैकेट बरामद किए। पैकेट पर भैंस का मांस लिखा हुआ था। मांस का नमूना लेकर जांच के लिए प्रयोगशाला में भेजा गया। साथ ही बाकी मांस को सील कर दिया गया। गोरक्षा दल के जिला प्रधान मंजीत आर्य ने कुंडली थाना पुलिस को सूचना दी। जिसमें बताया गया कि कुंडली के प्याऊ मनियारी के स्नो मैन लॉजिस्टिक कोल्ड स्टोर में मीट है। इस मीट को एक कंटेनर में भरा जा रहा है। मीट की सूचना मिलते ही कुंडली थाना प्रभारी सेठी मलिक मौके पर पहुंचे। उन्होंने कंटेनर की जांच की तो उसमें मीट मिला। थाना प्रभारी की सूचना पर खाद्य सुरक्षा अधिकारी डॉ. बीरेंद्र आए। उन्होंने मांस का सैंपल लिया। उसे जांच के लिए प्रयोगशाला में भेजा है। अधिकारियों ने कोल्ड स्टोर में रखे मीट को सील कर दिया है। गोरक्षा दल के जिला प्रधान मंजीत आर्य ने कहा कि उन्हें सूचना मिली थी कि कोल्ड स्टोर में काफी समय से मीट स्टोर किया जाता है। कोल्ड स्टोर से इस मीट को देश के विभिन्न क्षेत्र में भेजा जाता है। उनकी टीम कई दिन से रैकी कर रही थी। देर रात उनकी टीम ने कंटेनर में मीट भरते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया। थाना प्रभारी सेठी मलिक ने कहा कि कोल्ड स्टोर में मीट किसने रखा था और यह मीट कहां जाना था। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सोनीपत। मौके पर कार्रवाई करते अधिकारी। फोटो : हरिभूमि

न्यूज डायरी

श्रद्धालुओं ने किया सुंदरकांड का पाठ

सोनीपत। श्री राम परिवार, सोनीपत द्वारा श्री सुन्दरकांड का पाठ, हरिनाम संकीर्तन एवं श्री रामकथा का कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम ओम प्रकाश नासा के सौजन्य से जनता कालोनी में आयोजित किया गया। संस्था के प्रमुख ओमप्रकाश अरोड़ा ने कहा कि श्री रामचरितमानस में माता सीता और कौशल्या के संवाद मुख्य रूप से मिलते हैं। जहां वनवास के माता सीता माता कौशल्या को सांत्वना देती हैं और अपने आपको अभागिनी बताते हुए वन जाने की अपनी इच्छा बताती हैं जिस पर कौशल्या उन्हें गले लगाकर आशीर्वाद देती हैं। यह धर्म कर्तव्य और पारिवारिक स्नेह का अद्भुत प्रसंग हैं। जब राम वन जाने के लिए तैयार होते हैं तो माता कौशल्या अत्यंत व्याकुल हो जाती हैं। माता सीता अपनी सास कौशल्या के पास जाती हैं। इस अवसर पर पवन सहगल, तुलसीदास, महेश पांडे, मुकेश आनन्द, अशोक, दिनेश अरोड़ा, वेदनासा, रमनकांत, मेहरचन्द, धीरज व भूषण उपस्थित रहे।

सोनीपत। सुंदरकांड का पाठ करते हुए श्रद्धालु। फोटो : हरिभूमि

सोनीपत। कार्यक्रम में प्रतिभागी शिक्षकण। फोटो : हरिभूमि

'कहानी सुनाना' विषय पर कार्यशाला आयोजित

सोनीपत। ब्राइट स्कॉलर स्कूल में रविवार को कहानी सुनाना विषय पर एक कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम आयोजित किया गया। रिसोर्स पर्सन डॉ. किरण दलाल और डॉ. पूजा ने कार्यक्रम संचालित किया। कार्यशाला में शिक्षण कार्य को ज्यादा असरदार, दिलचस्प और प्रभावशाली बनाने में कहानी सुनाने की शक्ति पर जोर दिया गया। शिक्षकों ने रोजाना के पाठ्यक्रम में कहानियों को शामिल करने की अलग-अलग तकनीकों को जाना, जिससे विद्यार्थियों के लिए सीखना आसान और यादगार बन सके। रिसोर्स पर्सन ने कहानी कहने के तरीकों से क्लास रूम टीचिंग को बेहतर बनाने के लिए प्रैक्टिकल उदाहरण, हैंड्स-ऑन एक्टिविटी और रणनीतियां भी साझा की।

बच्चों को तिरस्कार नहीं, पुरस्कार चाहिए : मलिक

खरखौदा। मौजमनगर - फरमाना स्थित पैरामाउंट स्कूल ऑफ़ साइंस में हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद की राज्यस्तरीय परियोजना के तहत राज्य के 197 वें तथा जिला सोनीपत के 26 वें बाल सलाह, परामर्श व कल्याण केन्द्र की स्थापना मंडलीय बाल कल्याण अधिकारी रोहतक एवं राज्य नोडल अधिकारी अनिल मलिक द्वारा की गयी। इस अवसर पर अभिभावकों हेतु नया व्यावहारिक साहसी दृष्टिकोण और प्रयास - आउट ऑफ बॉक्स पेरेंटिंग, अद्भुत एवं समय की माँग विषय पर आयोजित सेमिनार को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता अनिल मलिक ने कहा कि परवरिश सिर्फ़ बेहतर पालन-पोषण नहीं, शारीरिक मानसिक और भावनात्मक रूप से संतान को सशक्त बनाना भी है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रधानाचार्या मोनिका फोगाट ने कहा कि वक्त की जरूरत है- मनोवैज्ञानिक परामर्श सेवाएं। कार्यक्रम में विशेष उपस्थिति राज बाल कल्याण परिषद के आजीवन सदस्य नीरज कुमार, विद्यालय प्रबंधन से अनिल देशवाल, संदीप गुलिया, जोगिंद्र व तेजबीर इत्यादि की रही।

भविष्य को अंधकार में ले जा रहा नशा : प्रदीप

खरखौदा। गुरुकुल बरोना की तरफ से गांव बरोना में रविवार को नशा मुक्ति अभियान के तहत समाज में बढ़ते नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत हवन यज्ञ द्वारा की गई। हवन में आहुतियां डालकर लोगों व बच्चों ने पवित्र जीवन जीने व कभी नशा न करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर आचार्य प्रदीप ने कहा कि आज नशा हमारी पीढ़ियों, युवाओं के भविष्य को अंधकार में लेकर जा रहा है। देश के उज्ज्वल भविष्य के लिए युवाओं व बच्चों का संस्कारवान,अनुशासित, सुदृढ़ होना अति आवश्यक है। अभिभावकों को भी अपने बच्चों को नियमित रूप से नशे के विरुद्ध जागरूक करके उन्हें गुणवान बनाना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान सभी बच्चों को अध्ययन सामग्री- कॉपी, पेन आदि वितरित की गई।

समाधान की क्षमता प्रदान करता है गणित

गोहाना। गांव भैंसवाल कलां स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में गणित सप्ताह का समापन हो गया। समापन सत्र में महान गणितज्ञ श्री निवास रामानुजन को याद करते हुए किया गया। विद्यालय के प्राचार्य राजेंद्र मलिक ने विद्यार्थियों को गणित का महत्व समझाया। उन्होंने कहा कि गणित न केवल हमारे जीवन में चुनौतियों का सामना करने में मदद करता है, अपितु हमारे दिमागी विकास के लिए भी अत्यंत आवश्यक है। प्रवक्ता पारुल ने कहा कि गणित हमें समस्याओं का समाधान करने की क्षमता प्रदान करता है और हमारे जीवन को सरल बनाता है। इस अवसर पर बच्चों ने गणित से संबंधित विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया और गणित के प्रति अपनी रुचि दिखाई।

सोनीपत। विजेता खिलाड़ियों को पदक प्रदान करते हुए मेयर राजीव जैन।

खेलों से व्यक्तित्व का होता विकास : मेयर

सोनीपत। रविवार को सेक्टर-7 स्थित गेलोपियन फुटबाल क्लब द्वारा राज्य स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में मेधावी खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का सराहनीय प्रदर्शन किया। विजेता खिलाड़ियों को नगर निगम के मेयर राजीव जैन ने बतौर मुख्य अतिथि पदक प्रदान करके सम्मानित किया और लक्ष्य के साथ आगे बढने की प्रेरणा दी। मेयर राजीव जैन ने कहा कि खेल हमारे व्यक्तित्व विकास में सहायक हैं। खेलों से जीवन अनुशासन और ऊर्जा का समावेश होता है और शरीर स्वस्थ रहता है। खेल व्यक्ति के संपूर्ण विकास के लिए जरूरी हैं। प्रतियोगिता में पूरे प्रदेश से लडके एवं लड़कियों की 19 टीमों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में अंडर-19 आयु वर्ग में लिटिल एंजेल स्कूल की टीम विजेता बनी और हरियाणा एफसी टीम ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर क्लब अध्यक्ष जसपाल मलिक, भाजपा कार्यकर्ता जसपाल आंतिल, वरुण गोयल, नरेश मलिक, धर्मपाल और देवेंद्र जून मौजूद रहे।

शिक्षा ही समाज की तरक्की का एकमात्र आधार : देवेंद्र कादियान

- मदरसे के जलसे के वार्षिकोत्सव में पहुंचे विधायक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

क्षेत्र के बादशाही रोड स्थित मदरसा में वार्षिक कार्यक्रमों का आयोजन धूमधाम से किया गया। कार्यक्रमों में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे हलका विधायक देवेंद्र कादियान ने दीप प्रज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया। उन्होंने छात्र-छात्राओं द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों की सराहना करते हुए शिक्षा के महत्व पर विशेष बल दिया। विधायक देवेंद्र कादियान ने कहा कि ज्ञान वह प्रकाश है, जिसके माध्यम से दिव्य ज्ञान प्राप्त होता है। उन्होंने कहा कि अज्ञानता एक बुराई है जो समाज को अभाव की ओर ले जाती है। उन्होंने विशेष रूप से मुस्लिम समाज के अभिभावकों से आह्वान किया कि वे अपने बेटे और बेटियों को उच्च शिक्षा दिलाएं, क्योंकि शिक्षित समाज ही देश और क्षेत्र की उन्नति में योगदान दे सकता है। आयोजन समिति ने बुके भेंट कर विधायक का स्वागत किया। इस अवसर पर यासीन प्रधान, शौकीन, डॉ. जावेद और आबिद अली सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

गन्नौर। विधायक देवेन्द्र कादियान मदरसा में छात्रों को संबोधित करते हुए।

घुघड़ी देवी के नाम से स्मारक बनाने की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| खरखौदा

ब्राह्मण समाज ने दानवीर घुघड़ी देवी के नाम से शहर में भव्य स्मारक बनाने की मांग की है। रविवार को ब्राह्मण मोहल्ले में बनी चौपाल में पत्रकारों से बातचीत करते हुए ब्राह्मण समाज के प्रधान अमित ने कहा कि लंबे समय से दादी घुघड़ी देवी के नाम से स्मारक बनाने की मांग की जा रही है। ज्ञात रहे कि उस दानवीर महिला ने शहर में शिक्षा की अलख जगाने के लिए स्वयं की 5 एकड़ जमीन दान कर दी थी, ताकि बच्चों को पढ़ने व खेलने के लिए बेहतर सुविधाएं मिल सकें। आज इस दानवीर महिला के नाम से स्मारक बनाने पर कुछ लोगों द्वारा राजनीति की जा रही है। उन्होंने कहा कि ऐसे महापुरुषों पर राजनीति न करके 36 बिरादरी का साथ और सहयोग से एक भव्य स्मारक बनाया जाए। जिससे युवा पीढ़ी को भी यह पता चले की वर्षों पहले ऐसे दानवीर भी इस धरती पर हुए हैं। जिनके दिखाए मार्ग से लोग प्रेरणा ले सकें। उन्होंने बताया कि 10 मई 2025 को खरखौदा में भगवान परशुराम पार्क के साथ लगती जमीन पर दादी घुघड़ी देवी के नाम से स्मारक बनाने के लिए सहकारिता मंत्री अरविंद शर्मा, भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली व विधायक पवन खरखौदा ने आधारशिला रखी गई थी। जिस पर लगी प्लेट आज समाज के लोग उठाए घुम रहे हैं। सरकार व प्रशासन से मांग है कि जिस शिलापट्ट की प्लेट को लगाया गया था, उसी स्थान पर पुनः प्लेट को लगवाया जाए और दानवीर महिला घुघड़ी देवी के नाम से भव्य स्मारक बनाया जाए।

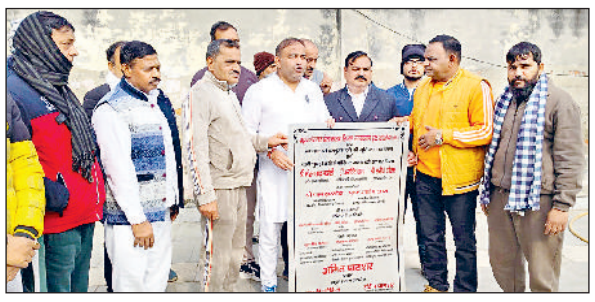
खरखौदा। घुघड़ी देवी स्मारक की मांग करते ब्राह्मण समाज के व्यक्ति।

पहले भी विधायक ने उठाई थी मांग

प्रधान अमित ने कहा कि बताया कि जिस जमीन पर भवन निर्माण की पंचायत ब्लॉक समिति खरखौदा द्वारा मंजूरी दी गई थी। जब मंजूरी के कागज बीडीपीओ कार्यालय से प्राप्त करने की कोशिश की गई तो वहां से पता चला कि जो प्रस्ताव पास किया गया था, वह कैंसिल हो गया है। शहर वासियों की यह पुरानी मांग थी जिसे स्थानीय विधायक पवन खरखौदा द्वारा विधानसभा में पुरजोर तरीके से उठाया गया। इस अवसर पर ब्राह्मण समाज के अनेक व्यक्तियों द्वारा परशुराम पार्क के साथ लगती जमीन पर स्मारक बनाने की मांग दोहराई गई। इस मौके पर पार्षद विजय, अश्वनी कौशिक, मुकेश, सुंदर पाल, हेमंत, विनोद, संजय, नरेंद्र, बिजेंद्र आदि मौजूद रहे।

खरखौदा। विकास कार्यों का शुभारंभ करते हुए चेयरपर्सन मोनिका दहिया

भाजपा ने ही दिया महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण : मोनिका दहिया

खरखौदा। विधानसभा क्षेत्र के गांव निजामपुर माजरा, रिढाऊ, गोरड व सिसाना में विभिन्न विकास कार्यों का शुभारंभ जिला परिषद की चेयरपर्सन मोनिका दहिया , राजवीर दहिया, ब्लॉक समिति चेयरमैन सितेंद्र दहिया, मार्केट कमेटी चेयरमैन आनंद सिंह दहिया, नगर पालिका चेयरमैन हीरालाल इंदौरा ने सामूहिक रूप से शुभारंभ किया। इस अवसर पर मोनिका दहिया ने कहा कि देश में आज महिलाएं किसी भी क्षेत्र में पुरुषों से कम नहीं है। भारतीय जनता पार्टी की सरकार में महिलाओं को 50% का आरक्षण दिया गया है। उन्होंने कहा कि 28 दिसंबर को विकास की रफ्तार को गति देने के लिए खरखौदा की नई अनाज मंडी में विकास रैली को संबोधित करने के लिए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी आ रहे हैं। इस मौके पर मार्केट कमेटी के वाइस चेयरमैन गुलशन ठेकेदार, सरपंच मोनू, राजेश निरथान, नरेंद्र खुर्मपुर, पवन गोरड़, कृष्ण रिढाऊ, जग्गी फरमाना, आशीष निजामपुर माजरा, सतीश, सुभाष बिधलान आदि मौजूद रहे।

स्वास्थ्य

माडल टाउन स्थित राजकीय मॉडल संस्कृति विद्यालय में रक्तदान शिविर आयोजित

101 लोगों ने रक्तदान से किया चारों साहिबजादों को नमन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में रविवार को चार साहिबजादों की स्मृति में रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। विद्यालय की एनएसएस इकाई के इस तीसरे वार्षिक शिविर में 101 नागरिकों ने रक्तदान से साहिबजादों को श्रद्धांजलि दी। मुख्य अतिथि विद्यालय के प्राचार्य संजीव दहिया थे। अध्यक्षता एनएसएस के जिला संयोजक पवन ने की।

वार्षिक रक्तदान शिविर का शुभारंभ गुरु गोविंद और उनके चारों साहिबजादों अजीत सिंह, जुझार सिंह, जोरावर सिंह और फतेह सिंह के चित्रों पर पुष्प अर्पित करके किया गया। शिविर में रक्त संकलन के लिए सिविल अस्पताल सोनीपत से डॉ. भानु शर्मा अपनी टीम के साथ पहुंचे। कार्यक्रम में विद्यालय के स्टाफ में डॉ. आनंद, दंपति अभिमन्यु दहिया और सुनीता, तिलकराज और सुनील विशेष रूप से उपस्थित रहे।

सोनीपत। शिविर में रक्तदान करते हुए नागरिक व विद्यालय के स्टाफ सदस्य।

नागरिकों ने किया रक्तदान

सोनीपत। जनहित अभियान फाउंडेशन के द्वारा रविवार को गांव मोहाना में रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। शिविर में 35 नागरिकों ने रक्तदान का पुण्य कमाया। शिविर की अध्यक्षता फाउंडेशन के अध्यक्ष नरेंद्र हुड्डा ने की। इस अवसर पर फाउंडेशन के अध्यक्ष नरेंद्र हुड्डा ने बताया कि आज की मुहिम में 35 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया इस अवसर पर अंग्रेजी प्रवक्ता पूर्ण सिंह, जिला पार्षद राजेश मलिक कुकू, साहिल मोहाना, मीनू फौजी, बिन्दर महला, मनीष नंबरदार, संदीप छिकारा और सोनू महला आदि उपस्थित रहे।

सोनीपत। शिविर में रक्तदान करते हुए नागरिक।

सोनीपत। शिविर में रक्तदान करते हुए नागरिक।

147 मरीजों को मिला स्वास्थ्य लाभ

सोनीपत। रविवार को सेक्टर-14 के अग्रसेन भवन में आयोजित स्वास्थ्य मेगा शिविर में 147 मरीजों को स्वास्थ्य लाभ मिला और 18 नागरिकों ने रक्तदान का पुण्य कमाया। शिविर में विशेषज्ञों ने मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। मेगा स्वास्थ्य एवं रक्तदान शिविर सेफ इंडिया फाउंडेशन, अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन (जिला, महिला एवं युवा इकाई), श्री श्याम बालाजी सेवा मंडल, रोटरी क्लब ऑफ सोनीपत एक्सीलेंस, कृष्णा देवी श्याम मिष्ठान भंडार, श्री राम ज्योतिष पीठ एवं दी महाराजा अग्रसेन समाज कल्याण समिति के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हुआ।

खबर संक्षेप

शिवालिक पब्लिक स्कूल में लगा ध्यान शिविर

गोहाना। शिवनगरी धनाना स्थित शिवालिक पब्लिक स्कूल में अंतरराष्ट्रीय ध्यान दिवस पर एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को मानसिक शांति, एकाग्रता एवं सकारात्मक सोच के महत्व से अवगत कराना था।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पंचायत समिति कथूरा की उप चेयरमैन इंदुबाला के पति सतीश कुमार और विशिष्ट अतिथि गांव धनाना के सरपंच प्रतिनिधि अनिल जाटायन और गांव धनाना स्थित आयुष चिकित्सा एवं वेलनेस केंद्र की चिकित्सा अधिकारी डॉ. पारुल रहीं। मुख्य अतिथि सतीश ढुल ने अपने संबोधन में ध्यान का महत्व बताया।

पंजाबी सेवा समिति ने चमकाया चौक

गोहाना। रविवार को पंजाबी महासभा गोहाना द्वारा शहर में भूतपूर्व उप प्रधानमंत्री स्व. ताऊ देवीलाल चौक की साफ-सफाई की गई। समिति के अध्यक्ष इंद्रजीत विरमानी के नेतृत्व में समिति की टीम ने चौक की साफ-सफाई की। चौक में उगे हुए पेड़-पौधों की कटाई-छंटाई के साथ उनमें पानी दिया। समिति ने चौक की सफाई के माध्यम से आजमन को सार्वजनिक स्थलों को साफ-सुथरा रखने का संदेश दिया।

सिनेफेस्ट में शिक्षाप्रद फिल्म दिखाई

राई। स्वर्णप्रस्थ पब्लिक स्कूल में कक्षा नर्सरी से लेकर पाँचवी तक सिनेफेस्ट का आयोजन किया गया। जिसमें लुका नामक शिक्षाप्रद फ़िल्म दिखाई गई। लूका एक प्यारी एनिमेटेड फिल्म है जो एक समुद्री लड़के की कहानी है, जो इंसानों की दुनिया देखने का सपना देखता है। वह अपने दोस्त अल्बर्टो के साथ इटली के एक सुंदर गाँव में गर्मियों की छुट्टियाँ बिताता है। दोस्ती, आत्म-स्वीकृति और अपने डर पर जीत पाने की यह दिल छू लेने वाली कहानी है। इस मौके पर विद्यालय के प्रधानाचार्य रोहित पंडा व अन्य मौजूद रहे।

आदित्य हत्याकांड में एसीपी से मिलेंगे ग्रामीण

गन्नौर। आदित्य हत्याकांड को लेकर रविवार को गांव पांची जाटान में एक बार फिर पंचायत का आयोजन किया गया। पंचायत लव वंशीय खत्री खाप के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेंद्र खत्री की अध्यक्षता में हुई, जिसमें आसपास के गांवों से भी लोग पहुंचे। पंचायत में तीन दिन पहले सांदल कला में हुई बैठक के बाद पुलिस को दिए गए समय की समीक्षा की गई। पंचायत में मृतक आदित्य के पिता सोमपाल ने पुलिस की अब तक की कार्रवाई पर असंतोष जताया। उन्होंने कहा कि मामले में एक आरोपित विश्वामित्र को जेल भेज दिया गया है, लेकिन उन्हें आशंका है कि हत्या में उसके अलावा भी अन्य लोग शामिल हैं, जिनकी भूमिका की निष्पक्ष जांच अभी तक नहीं हुई। सोमपाल का कहा कि मामले की गहराई से जांच होनी चाहिए।

थाना प्रभारियों ने सरपंचों और चौकीदारों के साथ की बैठक

गांवों में फिर से लगेंगे ठीकरी पहरे : पुलिस

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

सर्दियों के मौसम में गहराते कोहरे और धुंध की आड़ में होने वाली चोरी की वारदातों पर अंकुश लगाने के लिए सोनीपत पुलिस प्रशासन पूरी तरह से सतर्क हो गया है। पुलिस विभाग ने अपराधियों के मंसूबों को नाकाम करने के लिए ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में सुरक्षा का एक मजबूत घेरा तैयार करने की योजना बनाई है। इसी कड़ी में पूर्वी और गोहाना जोन के थाना प्रभारियों ने अपने-अपने अधिकार क्षेत्र में आने वाले गांवों के सरपंचों, चौकीदारों और इलाके के गणमान्य व्यक्तियों के साथ महत्वपूर्ण बैठकें आयोजित कीं।

बैठक के दौरान थाना प्रभारियों ने सामुदायिक सुरक्षा की पुरानी और प्रभावी परंपरा ठीकरी पहरा को फिर से सक्रिय करने का निर्णय लिया है। पुलिस अधिकारियों ने ग्रामीणों से आह्वान किया कि वे आपसी सहयोग के माध्यम से अपने-अपने गांवों में रात के समय पहरा देने की व्यवस्था शुरू करें। अधिकारियों ने इस बात पर जोर दिया कि पुलिस की गश्त के साथ-साथ यदि ग्रामीण भी सतर्क रहेंगे, तो चोरी की घटनाओं को शून्य पर लाया जा सकता है। किरायेदारों का सत्यापन अनिवार्य सुरक्षा के दृष्टिकोण से पुलिस ने गांवों और कॉलोनियों में रह रहे किरायेदारों के सत्यापन को अनिवार्य बताया है। सरपंचों को निर्देश दिए गए हैं कि उनके क्षेत्र में जितने भी बाहरी लोग किराये पर रह रहे हैं, उनका पूर्ण रिकॉर्ड और सत्यापन पुलिस के पास होना चाहिए ताकि किसी भी अप्रिय घटना की स्थिति में आरोपितों तक पहुंचा जा सके। इसके साथ ही गांव के प्रमुख चौकों, गलियों और घरों के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच करने की भी सलाह दी गई है। पुलिस ने अपील की है कि सभी सुरक्षा उपकरणों को दुरुस्त रखा जाए ताकि संदिग्ध गतिविधियों की निगरानी चौबीसों घंटे की जा सके।

सोनीपत। ग्रामीणों के साथ बैठक करते पुलिस अधिकारी।

संदिग्धों पर नजर

अपराधियों पर नकेल कसने के लिए पुलिस ने जेल से हाल ही में छूटे आरोपितों और पुराने संदिग्धों की वर्तमान गतिविधियों पर विशेष नजर रखनी शुरू कर दी है। पुलिस ने नागरिकों से भी सहयोग की अपील करते हुए कहा है कि यदि कोई परिवार कुछ दिनों के लिए अपने घर से बाहर जा रहा है, तो इसकी सूचना संबंधित थाने में जरूर दें। घरों के बाहर और गलियों में प्रकाश की उचित व्यवस्था रखने की सलाह दी गई है ताकि अंधेरे का फायदा उठाकर चोर वारदातों को अंजाम न दे सकें। पुलिस ने स्पष्ट किया कि किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या वाहन के दिखने पर तुरंत पुलिस हेल्पलाइन नंबर पर सूचना दी जाए ताकि त्वरित कार्रवाई की जा सके।

मजदूरों के लिए करेंगे संघर्ष : दिवान

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

मनरेगा मजदूरों की समस्याओं और उनके अधिकारों को लेकर रविवार को कांग्रेस कार्यकर्ता सडक़ पर उतर आए। कार्यकर्ताओं सडक़ पर प्रदर्शन करने से पहले कांग्रेस भवन में एकत्रित हुए। कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भाजपा सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और मजदूरों की मांगें पूरी करने तक संघर्ष जारी रखने का ऐलान किया।

कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस भवन से सुभाष चौक तक पैदल मार्च निकाला। प्रदर्शन की अध्यक्षता सोनीपत लोकसभा के कांग्रेस सांसद सतपाल ब्रह्मचारी ने की। नेतृत्व कांग्रेस शहरी जिला इकाई के अध्यक्ष कमल दिवान ने किया। कमल दिवान ने कहा कि केंद्र और प्रदेश की भाजपा सरकार मनरेगा योजना को कमजोर करने की साजिश रच रही है। मजदूरों को न तो समय पर काम मिल रहा है और न ही उनकी मजदूरी का भुगतान समय पर किया जा रहा है। कांग्रेस पार्टी गरीब और मजदूर के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है। सांसद सतपाल ब्रह्मचारी ने कहा कि मनरेगा ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, लेकिन सरकार ने इसके बजट में भारी कटौती कर गरीबों के पेट पर लात मारने का काम किया है।

सोनीपत। सडक़ पर पैदल मार्च के दौरान प्रदर्शन करते हुए कांग्रेस कार्यकर्ता।

विधायक देवेंद्र कादियान ने लोगों की समस्याएं सुनीं, समाधान के निर्देश

गन्नौर। विधायक देवेंद्र कादियान ने सोमवार को सत्र में शामिल होने के चलते विधायक ने रविवार को ही गन्नौर स्थित अपने निजी कार्यालय पर जनता दरबार लगाया। सैकड़ों लोग अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे, जिनमें से दर्जनों शिकायतों का मौके पर ही निपटारा किया गया। विधायक देवेंद्र कादियान ने समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए मौके से ही संबंधित अधिकारियों को फोन कर आवश्यक निर्देश दिए। जनता दरबार में विकास कार्यों को लेकर कई प्रमुख मांगें रखी गईं। वार्ड 14 व उल्देपुर के लोगों ने कच्ची गलियों के कारण हो रही परेशानी से अवगत कराया और उन्हें जल्द पक्का करने की मांग की। बुलंदपुर के ग्रामीणों ने बताया कि डॉ. भीमराव अंबेडकर भवन के लिए 1900 गज जमीन आरक्षित है, लेकिन बजट के अभाव में काम रुका है। विधायक ने इसके लिए सरकारी ग्रांट दिलाने का भरोसा दिया। विधायक ने कहा कि क्षेत्रवासियों की समस्याओं का निवारण उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने बताया, सत्र के कारण इस बार सोमवार की जगह रविवार को समय तय किया गया ताकि लोगों को इंतजार न करना पड़े। वे सप्ताह में 5-6 दिन जनता के सुख-दुख में सहभागी बनने का प्रयास करते है। कार्यक्रम के अंत में उन्होंने केंद्र व प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए पात्र लोगों से लाभ उठाने की अपील की।

क्वार्टर फाइनल में महिला मुक्केबाजों में जमकर चले पंच

गोहाना। हरियाणा बॉक्सिंग संघ द्वारा जय बाला जी स्पोर्ट्स अकादमी गोहाना में आयोजित 6वीं राज्यस्तरीय अलाइट महिला बॉक्सिंग चैंपियनशिप के दूसरे दिन रविवार को क्वार्टरफाइनल मुकाबले हुए। मुख्य अतिथि भाजपा जिला गोहाना के अध्यक्ष बिजेंद्र मलिक और विशिष्ट अतिथि कृषि एवं किसान कल्याण विभाग गोहाना के एसडीओ डॉ. राजेंद्र प्रसाद मेहरा रहे और भाजपा से मुकेश रोहिल्ला रहे। संयुक्त संयोजन हरियाणा बॉक्सिंग संघ के प्रदेश अध्यक्ष मेजर सत्यपाल, महासचिव ओमबीर हुड्डा, स्पोर्ट्स अकादमी के निदेशक जितेंद्र हुड्डा, अकादमी के अध्यक्ष अनिल मोर और मुख्य प्रशिक्षक नवीन हुड्डा का रहा। बॉक्सिंग चैंपियनशिप के क्वार्टरफाइनल मुकाबलों में 45-48 किलोग्राम भारवर्ग में भारती, रितु, माही सिवाच और मनीषा, 48-51 किलोग्राम भारवर्ग में नीतू, मानसी, वकील रानी और सुषमा, 51-54 किलोग्राम भारवर्ग में आरजू, कीर्ति, प्रियंका और नीलाक्षी, 54-57 किलोग्राम भारवर्ग में दीपिका, प्रिया, मोनिका और अंकुर यादव, 57-60 किलोग्राम भारवर्ग में शिवानी देवी, ममतेश, तन्नू और मीठू, 60-65 किलोग्राम भारवर्ग में निधि, साक्षी, रानी देवी और अलीषा विजेता बनी। गरिमामयी उपस्थित हुड्डा खाप के प्रधान रामफूल हुड्डा, हरपाल सिंह, सेना से सेवानिवृत्त जेसीओ आजाद सिंह दहिया, राजेश धनखड़ , समाजसेवी दीपक नेहरा, प्रशिक्षक राजेश सैनी व अन्य मौजूद रहे।

कैबिनेट मंत्री से मिले ग्रुप-डी वेटिंग लिस्ट के अभ्यार्थी

सोनीपत। हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग द्वारा ग्रुप-डी की भर्ती में वेटिंग लिस्ट के अभ्यर्थियों ने रविवार को कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने मुलाकात की। अभ्यर्थियों ने मंत्री से वेटिंग लिस्ट जारी करने की मांग की। अभ्यर्थी रोहित, अंकित, सौरभ, सचिन, विकास, अंकुश, शिवम और विशाल कैबिनेट मंत्री से मिले। अभ्यर्थियों ने कहा कि हरियाणा चयन आयोग द्वारा वर्ष 2023 में 13536 पदों पर भर्ती निकाली गई गई थी। 7596 अभ्यर्थियों की अतिरिक्त सूची 2 जुलाई 2025 को जारी की गई थी जिसमें 6648 पदों पर ही नियुक्ति की गई बाकी लगभग 948 पद होल्ड पर हैं। अभ्यर्थियों के अनुसार 3000 पदों पर नियुक्ति स्वीकार नहीं की क्योंकि ये अभ्यार्थी ग्रुप-सी में पहले से चयनित हो चुके हैं।

विधायक और मेयर ने किया विकास कार्यों का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

विधायक निखिल मदान और मेयर राजीव जैन ने रविवार को शहर के वार्ड नं. 11 में विकास कार्यों का शुभारंभ किया। विकास कार्य नगर निगम पार्षद इंदु संजीव वलेचा की उपस्थिति में नारियल फोडक़र शुरू किए गए।

विधायक निधि से सारंग रोड स्थित प्रजापति धर्मशाला में लाइब्रेरी हॉल का निर्माण करवाया जाएगा। हॉल के निर्माण पर 18 लाख रुपये खर्च होंगे। इसके अतिरिक्त धर्मशाला में रंग-रोगन करवाया जाएगा और दीवारों व छत की मरम्मत कार्य किया जाएगा। विधायक निखिल मदान और नगर निगम के मेयर राजीव जैन ने नारियल फोडक़र इन विकास कार्यों का शुभारंभ किया। विधायक निखिल मदान ने कहा कि विधायक निधि से सोनीपत विधानसभा क्षेत्र में 8 से 10 करोड़ रुपये के विकास कार्य टेंडर प्रक्रिया में है जिन्हें जल्द पूरा करवाया जाएगा। मेयर राजीव जैन ने बताया कि प्रजापति चौपाल में लाइब्रेरी निर्माण से सर्वसमाज को लाभ मिलेगा। छात्र छात्राओं को एक छत के नीचे बैठकर पढऩे की सुविधा मिलेगी। इस अवसर पर संजीव वलेचा, मनीष, महावीर, रमेश कुमार, मुकेश वर्मा, जोगिंदर वर्मा, सुरेंद्र प्रजापति व अन्य मौके रहे।

सोनीपत। विकास कार्यों का शुभारंभ करते हुए विधायक निखिल मदान और मेयर राजीव जैन।

चहुंमुखी विकास प्राथमिकता : कृष्णा गहलावत

राई हलके में विकास को मिलेगी नई गति, 5.85 करोड़ स्वीकृत

राई। विधायक कृष्णा गहलावत द्वारा क्षेत्र में वर्ष 2025-26 के अंतर्गत अनेक विकास कार्यों को प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई है। इन स्वीकृत कार्यों पर पांच करोड़ पचासी लाख साठ हजार रुपये की राशि खर्च की जाएगी। विधायक कृष्णा गहलावत ने कहा कि स्वीकृत विकास कार्यों में राई विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांवों में गली निर्माण, फिरनी एवं सड़क निर्माण, नालों का निर्माण, चौपाल एवं महिला चौपालों का निर्माण, श्मशान घाटों का विकास, सड़कों से गांवों को जोडऩे वाले संपर्क मार्गों का निर्माण, तथा अन्य बुनियादी सुविधाओं से जुड़े अनेक कार्य शामिल हैं। इन परियोजनाओं का उद्देश्य ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में आधारभूत ढांचे को मजबूत करना और आमजन को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना है। इन विकास कार्यों के पूरा होने से क्षेत्र में आवागमन सुगम होगा, जल निकासी की समस्या में सुधार आएगा, सामाजिक गतिविधियों के लिए बेहतर सामुदायिक स्थल उपलब्ध होंगे तथा नागरिकों के जीवन स्तर में सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेगा।

खरखौदा को सौगातें देंगे मुख्यमंत्री

हरिभूमि न्यूज ⏭ खरखौदा

भाजपा कार्यालय में पार्टी कार्यकर्ताओं की बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष अशोक भारद्वाज ने कहा कि 28 दिसंबर की खरखौदा में होने वाली रैली में जितनी ज्यादा भीड़ होगी, उतनी ज्यादा सौगात क्षेत्रवासियों को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी देंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में विकास की रफ्तार तीन गुनी तेजी से दौड़ रही है। मुख्यमंत्री नए-नए फैसले लेकर प्रदेश को तरक्की के रास्ते पर ले जाने का काम कर रहे हैं । जिस प्रकार उन्होंने अभी हाल ही में प्रदेश वासियों की वर्षों पुरानी मांग को पूरा करते हुए हांसी को 23 वें जिला के रूप मान्यता दी है। उन्होंने कहा कि खरखौदा की नई अनाज मंडी में विकास रैली को संबोधित करने के लिए प्रदेश मुख्यमंत्री पहुंच रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से क्षेत्र वासियों ने भाजपा को विधानसभा चुनाव में भारी मतों से जीताकर पवन खरखौदा को विधानसभा में भेजा था। उसी भारी भीड़ से मुख्यमंत्री का स्वागत किया जाएगा। रैली को कामयाब करने के लिए कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारियां लगाई गई। जिलाध्यक्ष ने पार्टी नेताओं के साथ रैली स्थल का दौरा किया और आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए। इस मौके पर मंडल अध्यक्ष नरेश पाराशर, बबीता दहिया, मुकेश सैनी, आजाद सिंह भोरिया, मुकेश आदि मौजूद रहे।

खरखौदा। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते अशोक भारद्वाज

दून स्कूल के तीन विद्यार्थियों ने एथलेटिक्स में जीते 3 पदक

गोहाना। -पानीपत मार्ग स्थित दून पब्लिक स्कूल के तीन विद्यार्थियों ने द्वितीय हरियाणा राज्य किड्स एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 3 पदक झटक लिए। यह चैंपियनशिप सीआरए कॉलेज, सोनीपत में सम्पन्न हुई। राज्य स्तरीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप में दून पब्लिक स्कूल के कक्षा छठी के छात्र नक्ष ने अंडर-12 आयु वर्ग की 800 मीटर हर्डल दौड़ में तृतीय स्थान हासिल करके कांस्य पदक कब्जा लिया। कक्षा पहली की छात्रा कनक ने अंडर-8 आयु वर्ग की थ्रो बॉल प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करके स्वर्ण पदक और कक्षा तीसरी के छात्र कुंज ने अंडर-10 आयु वर्ग की रिले दौड़ में द्वितीय स्थान प्राप्त करके रजत पदक जीत लिया। पदक विजेता विद्यार्थियों और कोच मनोज लठवाल को स्कूल के चेयरमैन राजेश कुमार और प्राचार्या ज्योति छाबड़ा ने सम्मानित किया। चेयरमैन राजेश कुमार ने बच्चों को सराहा।

लायंस क्लब गन्नौर ने जरूरतमंदों को बांटे कंबल

गन्नौर। लायंस क्लब गन्नौर गौरव द्वारा सेवा प्रकल्प के अंतर्गत 150 कंबलों का वितरण किया गया। कंबलों का वितरण नपा सफाई कर्मचारी एवं घरों में कार्य करने वाली लगभग 20 जरूरतमंद महिलाओं को किया गया, जिससे ठंड के मौसम में उन्हें राहत मिल सके। कार्यक्रम के मुख्यातिथि देवेंद्र कादियान रहे। उन्होंने लायंस क्लब द्वारा किए जा रहे सेवा कार्यों को सराहा।

तैयारी | 23 जनवरी को शहीद मदन लाल ढींगड़ा सामुदायिक केंद्र में होगा आयोजन

बैयापुर की सूरजान चौपाल में पंचायत कर ग्रामीणों ने की चर्चा

नेता सुभाष चंद्र बोस जयंती को भव्य बनाने के लिए बनी श्रद्धांजलि समिति

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

रामराज सेवा समिति के संस्थापक जयवीर हुड्डा ने बताया कि 23 जनवरी को नेता सुभाष चंद्र बोस की जयंती के अवसर पर उनके सम्मान में एक भव्य श्रद्धांजलि समारोह आयोजित किया जाएगा। इस समारोह का नेतृत्व समस्त समाज और विभिन्न सामाजिक संगठनों द्वारा सामूहिक रूप से किया जाएगा। इसी उद्देश्य से बैयापुर गांव की सूरजान चौपाल में एक पंचायत का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता जयसिंह सरोहा बैयापुर ने की। पंचायत में आसपास के कई गांवों से सम्मानित लोग पहुंचे और सभी ने नेता सुभाष चंद्र बोस की जयंती को एकजुट होकर भव्य रूप देने का संकल्प लिया। प्रधान जयभगवान सरोहा लिवान ने बताया कि योजना के तहत फिलहाल 51 सदस्यों की एक कार्यकारी समिति का गठन किया गया है, जिसमें विभिन्न समाजों के प्रतिनिधियों के साथ कई सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी शामिल हैं। जयभगवान राणा ने बताया कि भविष्य में इस समिति का और विस्तार किया जाएगा तथा उन सभी व्यक्तियों और संगठनों को इसमें जोड़ा जाएगा, जो नेता सुभाष चंद्र बोस के प्रति श्रद्धा और विश्वास रखते हैं। महासिंह नंबरदार ने कहा कि लक्ष्य है कि हजारों लोग समिति के सदस्य बनें और जयंती समारोह में बढ़-चढ़कर भाग लें। राजुकमार राणा फाजिलपुर ने बताया कि "नेता सुभाष चंद्र बोस श्रद्धांजलि समारोह समिति" के नेतृत्व में ही 23 जनवरी का आयोजन किया जाएगा। देवेंद्र आर्य, जिला प्रधान वेद प्रचार मंडल (आर्य समाज) ने स्पष्ट किया कि समिति में न अध्यक्ष होगा और न उपाध्यक्ष, सभी सदस्य समान दायित्व और सम्मान के साथ कार्य करेंगे।रक्षक सेना अध्यक्ष मंजीत तिहाड़ भी मौजूद रहे।

बलिदान व त्याग के प्रतीक

सुरेंद्र खत्री रायपुर ने कहा कि इससे युवा पीढ़ी को भी नेता सुभाष चंद्र बोस के बलिदान और त्याग से प्रेरणा मिलेगी। पंचायत में रायपुर से पवन खत्री, रणधीर, लिवान से राम सिंह प्रधान, जयभगवान प्रधान, रामभजन, जाट जोशी से नफे सिंह हुड्डा, भक्त राजेंद्र दास, भक्त जयभगवान, अनिल मलिक, मुकेश मलिक, सतीश, लहराडा से रामफल, रतनगढ़ से पवन सरोहा, अमर, राठधना से जिले सिंह सरोहा और रमेश पंडित सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

भारतीय सेना के लिए लगा शिविर, 109 ने ब्लड डोनेट किया

गन्नौर। आर्य समाज मन्दिर में रविवार को दीवाने बाबा श्याम समिति व माँ भारती रक्तवाहिनी द्वारा संयुक्त रूप से भारतीय सेना के लिए एक विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ पूर्व पार्षद एवं समाजसेवी अंकित मल्होत्रा द्वारा बाबा श्याम को पुष्प अर्पित कर किया गया। अंकित मल्होत्रा ने रक्तादाताओं का हौसल्ला बढ़ाते हुए कहा कि रक्तदान महादान है। इसलिए हमें समय-समय पर रक्तदान करते रहना चाहिए। मल्होत्रा ने कहा कि आपके द्वारा किया गया रक्तदान किसी जरूरतमंद की मदद करने के काम आता है। इसके अलावा समय- समय पर रक्तदान करने से शरीर भी स्वच्छ रहता है। इस अवसर पर समिति के सदस्यों ने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें राष्ट्रसेवा के इस पुनीत कार्य के लिए प्रेरित किया। शिविर में कुल 109 रक्तवीरों ने स्वेच्छा से रक्तदान कर भारतीय सेना के जवानों के लिए अपना अमूल्य योगदान दिया।

25th Death Anniversary
In loving memory of

18.12.1940 – 22.12.2000
Late Dr Hari Parkash Aggarwal
Ex Prof (English Dept) Hindu College Sonepat
Your positivity, laughter and will power has made us what we are today. We miss your guiding spirit, wisdom, boundless love and affection for each of us.
Keeping your memories alive
Prabha Aggarwal - (Wife)
Vikas Aggarwal-Geeta Aggarwal - (Son-Daughter in Law)
Shobhna Aggarwal-Vijay Aggarwal - (Daughter-Son in Law)
Aggarwal Real Estate N Builders.
Kundli N Kharkhoda